जयपुर, अलवर एवं भरतपुर से एक साथ प्रकाशित दैनिक

अरुणप्रभा

केन्द्र व राज्य से विज्ञापनों के लिए मान्य

अभिनव हिन्दी दैनिक

■ अलवर ■ खैरथल
■ कोटकासिम ■ गोविन्दगढ़
■ बहरोड़ ■ भिवाड़ी
■ राजगढ़ ■ बानसूर
■ मालाखेड़ा
■ किशनगढ़बास
■ रामगढ़ ■ थानागाजी

छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम जारी कर विद्यार्थियों को किया सम्मानित

अलवर (का.सं.)। क्षेत्र के प्रसिद्ध दुर्गा मन्दिर चिकानी कमेटी द्वारा 1 फरवरी को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालाय चिकानी मे करवाया गया था, जिसका परीक्षा परिणाम 15 फरवरी को वार्षिकोत्सव समारोह 2024-25 के अवसर पर जारी कर दिया गया। दुर्गा मन्दिर कमेटी अध्यक्ष अनीशराज प्रजापति ने बताया कि इस परीक्षा मे प्रथम स्थान गगनप्रीत पुत्री सतेंद्र, द्वितीय स्थान हिमांशु पुत्र अनिल तथा तृतीय स्थान पर समीर पुत्र श्रमुकेश रहे है। स्कूल के प्रधानाध्यापक विजय डोरिया ने बताया कि क्षेत्र मे इस प्रकार की परीक्षा का आयोजन पहली बार हुआ है जो विद्यार्थियों मे नई ऊर्जा का संचार करेगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जयराम जाटव, विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत चिकानी सरपंच सबीला खान, पंचायत समिति सदस्य शारदा जाटव एवं कमेटी संरक्षक गिर्राज, सचिव अनिल, महामंत्री सुरेश, प्रचारक अमित, कोशाध्यक्ष टीनु, मीडिया प्रभारी राहुल शर्मा, अशोक वर्मा, विनोद वर्मा, पुरुषोत्तम, महावीर व ग्रामीण आदि मौजूद रहे।

arunprabha28@gmail.com ■ अलवर, रविवार, 16 फरवरी 2025 ■ वर्ष 44 ■ अंक 223 ■ पृष्ठ 6 ■ मूल्य 1.50 रुपये arunprabha01@yahoo.com

इलाज के अभाव में मौत का शिकार बालिका के इलाज के लिए संचालक और बाल कल्याण समिति की थी जिम्मेदारी

अलवर (का.सं.)

शहर के अरावली विहार पुलिस थाना अंतर्गत आरती बालिका गृह में बीमारी के चलते इलाज के अभाव में 12 वर्षीय बालिका की मौत के मामले जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने सम्पूर्ण जांच के आदेश दिए हैं। इलाज के अभाव में बालिका की मौत के मामले में

सभी पक्ष इस मामले को एक दूसरे पर डाल रहे हैं लेकिन प्रथम दृष्टया इस मामले में पूरी लापरवाही आरती बालिका गृह संचालन कर्ता की सामने आ रही है और सबसे बड़ा सवाल यह है कि आर्थिक अपराध के मामले में इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बावजूद भी इसको बालिका गृह चलाने की अनुमति कैसे दी गई, जहां एक और बालिका गृह संचालक द्वारा इलाज के लिए अधिकारियों को पत्र लिखने की बात कही जा रही है, वहीं संबंधित विभाग के अधिकारी यह कह रहे हैं कि राजस्थान सरकार द्वारा जब निशुल्क इलाज की सुविधा है ऐसे में स्वीकृती की जरूरत ही नहीं है। स्वास्थ्य संबंधी जितनी भी समस्याएं सामने आती हैं वह सभी जिम्मेदारी संबंधित बालिका गृह संचालक की होती है। आरती बालिका गृह के संचालक लगातार झूठ बोलकर प्रशासन को भी गुमराह कर रहे हैं। इस बालिका गृह में 34 बच्चियों रह रही हैं। इस मामले में बाल कल्याण समिति की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है, क्योंकि बालिका गृह संचालक ने बाकायदा बाल कल्याण समिति को भी पत्र लिखकर ले जाने की अनुमति मांगी थी जिसमें ले जाने के लिए संसाधन मांगे गए थे। अलवर जिला कलेक्टर आरती का शुक्ला ने बताया कि इस मामले में जांच की जा रही है जो भी दोषी होगा कार्रवाई की जाएगी।

आरती बालिका गृह संचालक पर 20 लाख के गबन का है मुकदमा दर्ज

सामाजिक बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकांत ने बताया कि आरती बालिका गृह संचालक चेतराम सैनी एक आपराधिक प्रवृत्ति का आदमी है इसके खिलाफ शिवाजी पार्क पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज है । 20 लाख रुपए का फर्जी बिल का मामला सामने आया था जिसमें जांच हुई दोषी पाया गया था उसके बाद विभाग द्वारा इसकी मान्यता रद्द कर दी गई फिर यह व्यक्ति वहां पर अधिकारियों के पास गया और गिड़गिड़ाया कर कहने लगा कि मैं इस बालिका गृह को बिना अनुदान चला लूंगा तब इसको गैर अनुदानित संस्था के रूप में मान्यता दी गई और यह पूरी तरह झूठ बोल रहा है उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बालिका गृह का संचालक चेतराम सैनी ने जितने भी पत्र लिखे हैं पुरानी तारीखों के फर्जीबाड़े से लिखे हैं जिसकी जांच की जा रही है और इस संबंध में हमें कोई जानकारी अवगत नहीं कराई गई जब बालिका के बारे में इसे पूछा गया तो यह हमें कानपुर की बता कर हमें गुमराह करता गया और इसने कोई हमें सूचना नहीं दी, हमने उत्तर प्रदेश के कानपुर से संबंधित अधिकारियों को भी पत्र व्यवहार किया तो यही बताया गया कि इस नाम से कोई भी यहां नहीं रहते। आप बालिका की मौत के बाद यह बात सामने आई है कि बालिका हरियाणा के हथीन क्षेत्र की रहने वाली है। यह पूरी तरीके से झूठ बोल रहा है। उच्च अधिकारियों को लिखा जाएगा तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार की जा रही है 10 बिंदुओं का इसको नोटिस दिया गया है जिसका जवाब आने के बाद इस पर कार्रवाई की जाएगी। बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष श्रवण सिंघल ने बताया कि ये बाल कल्याण समिति और आरती बालिका गृह का मामला है। बालिका गृह संचालक को बाल कल्याण समिति को पत्र लिखना चाहिए और वह पत्र प्रमुख चिकित्सा अधिकारी राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय को लिखते और उसके बाद प्रमुख चिकित्सा अधिकारी इस बालिका को सरकारी एंबुलेंस से जयपुर भेजते, इस मामले में कहीं ना कहीं बालिका गृह और बाल कल्याण समिति के लापरवाही रही है। ऐसे मामलों में सामाजिक बाल अधिकारिता विभाग की कोई भूमिका नहीं होती यह जिम्मेदारी बाल कल्याण समिति और बालिका गृह संचालक की है।

यह था मामला

उल्लेखनीय है कि 2 वर्ष पूर्व चाइल्डलाइन को मिली एक बच्ची की बाल कल्याण विभाग की लापरवाही के चलते मौत हो गई थी । 12 वर्षीय प्रियंका 2 वर्ष पूर्व अरावली विहार थाना पुलिस को काला कुआं में घूमती हुई मिली । जिस पर पुलिस ने बच्ची को चाइल्डलाइन के सुपुर्द किया था। जिसे आरती बालिका गृह भेजा गया । जहां वह वर्तमान में पांचवी कक्षा में यह बालिका पढ़ रही थी। 31 जनवरी को अचानक तबीयत खराब होने पर उसे अलवर के राजकीय चिकित्सालय में लाया गया, जहां शिशु चिकित्सालय में वेंटिलेटर पर रखा गया और एमआरआई के दौरान बच्ची के ब्रेन में टीबी की पुष्टि हुई । जिस पर उसे वेंटिलेटर पर रखा गया और जयपुर रैफर करने की सलाह दी गई। अपने बचाव में आरती बालिका गृह के संचालक चेतराम सैनी का कहना था कि पिछले 4 साल से बाल कल्याण विभाग की ओर से अनुदान नहीं दिया गया। बच्ची को रेफर करने के लिए सहायक निदेशक रविकांत को बार-बार पत्र भेजा गया और फोन से भी संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। ऐसे में इलाज के अभाव में बच्ची ने दम तोड़ दिया । 3 दिन तक शव मोर्चरी में रखा रहा।

सार-समाचार

मिनी सचिवालय में पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अलवर (का.सं.)। अरावली विहार थाना क्षेत्र मिनी सचिवालय में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास करने वाले युवक को अरावली बिहार थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और उसके कब्जे से प्लास्टिक की बोतल में भरे पेट्रोल को भी पुलिस ने मौके पर जप्त कर लिया। इस दौरान युवक ने मिनी सचिवालय परिसर में हंगामा किया, उसके बाद युवक को शनिवार सुबह राजीव गांधी सामान्य अस्पताल लाया गया, जहां मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर के यहां पर मेडिकल कराया गया। इस दौरान मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर नरेंद्र सिन्दोलिया ने बताया कि युवक आकाश ने मिनी सचिवालय पहुंचकर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने समय रहते हुए युवक को पकड़ लिया उसके बाद एडीएम सिटी के निर्देश पर युवक का मेडिकल कराया गया। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया युवक इस स्ट्रेस को झेल नहीं पा रहा है, इंपल्स बिहेवियर है और किसी भी तरह से कोई साइकेट्रिक बीमारी नहीं है और पब्लिक ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए भी मोटिव हो सकता है। अरावली विहार थाने के हेड कांस्टेबल घनश्याम ने बताया कि युवक आकाश ने मिनी सचिवालय परिसर में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया, जिसको गिरफ्तार किया गया था और आज मेडिकल कराने के बाद में युवक को दुबारा से कोर्ट ने पेश किया जाएगा।

भाजपा नेता यासीन खान हत्याकांड मामले में पुलिस ने आठवें आरोपी को किया गिरफ्तार

नारायणपुर (नि.सं.)। पुलिस ने बीजेपी नेता यासीन खान हत्याकांड में बड़ी सफलता हासिल करते हुए आठवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि आरोपी की पहचान दिलावर (48) पुत्र इस्माइल खान निवासी बेलाका, अलवर के रूप में हुई है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस ने उसे अलवर वैशाली नगर थाना पुलिस की मदद से दबोच लिया। गौरतलब है कि 11 जुलाई को नारायणपुर थाना क्षेत्र के विजयपुरा गांव में अलवर-जयपुर सड़क मार्ग पर बदमाशों ने यासीन खान की गाड़ी को रोककर हमला किया था। स्कॉर्पियो और थार गाड़ियों में आए बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की, जिसके बाद घायल यासीन खान को जयपुर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। गिरफ्तार आरोपी दिलावर पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर एक दिन के पीसी रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान अन्य आरोपियों और हत्या की साजिश से जुड़ी अहम जानकारियां सामने आने की संभावना है। पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही हैं।

बाइक सवार होमगार्ड को ट्रक ने मारी टक्कर, गंभीर घायल को चिकित्सकों ने किया जयपुर रैफर

बहरोड़ (नि.सं.)। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे के दादा की ढाणी के पास बीती रात्रि को न्यायालय कोर्ट से अपनी ड्यूटी समाप्त कर वापस बाइक से अपने घर तेजपुरा मुंडावर के लिए जाते वक्त होमगार्ड जवान 31 वर्षीय नेतराम पुत्र ग्यारसाराम को ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल होमगार्ड मदद के लिए वहां मौजूद होटल कर्मियों व आसपास मौजूद लोगों से मदद के लिए आंसुओं से भरी आंखों से देख रहा था। लेकिन शरीर से बहते हुए खून को देखकर कोई भी अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाने के लिए मदद नहीं कर रहा था, इस बीच गूँती के युवा हेमंत यादव ने अपनी निजी कार से घायल युवक को पार्क अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने के कारण जयपुर रेफर कर दिया। परिजनों की जानकारी के अनुसार होमगार्ड का इलाज अभी जयपुर के एक निजी हॉस्पिटल में जारी है। होमगार्ड नेतराम के 6 वर्ष का एक लड़का है।

शहीद की प्रतिमा का अनावरण समारोह आयोजित

कोटकासिम (नि.सं.)

शनिवार को क्षेत्र के नयागांव में अमर शहीद नायब सूबेदार रामनिवास यादव की प्रतिमा अनावरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आये हुए अतिथियो द्वारा विधि-विधान के साथ सैनिक की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान आये हुए अतिथियो का ग्रामीणो की और से स्वागत किया गया। वहीं अतिथियो द्वारा मूर्ति अनावरण के अलावा शहिद के परिवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख बलवीर छिल्कर, पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, 311 मीडियम रेजिमेंट के कर्नल केए विशाख, पूर्व विधायक मास्टर मामन सिंह सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने नायब सूबेदार रामनिवास यादव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शहीद ने भारत देश की रक्षा करते हुए 14 फरवरी 2023 को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सर्वोच्च बलिदान दिया। वह

ऑपरेशन हिम तेंदुआ के दौरान शहीद हुए। उनका जन्म 8 जून 1979 को हुआ था। उनके पिता स्व. बलराम यादव साधारण किसान थे तथा माता बिमला देवी ग्रहणी है। उनकी पत्नी सुमन देवी ग्रहणी है। शहीद के एक पुत्र अरविंद यादव व एक पुत्री आरती कुमार है। वह भारतीय सेना में 2 जुलाई 1998 को रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी की यूनिट 311 मीडियम रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। शहिद के मूर्ति अनावरण समारोह में काफी संख्या में आस-पास के गांवों के ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शहीद परिवार की और से देशभक्ति की रागनी कार्यक्रम के साथ ही भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने प्रसादी ग्रहण किया।

एपगुरु इमरान खान ग्लोबल टीचर प्राइज कार्यक्रम में हुए शामिल

दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में किया भारत का गौरवशाली प्रतिनिधित्व

अलवर (का.सं.)

एप गुरु इमरान खान ने वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में ग्लोबल टीचर प्राइज के टॉप 10 फाइनलिस्ट के रूप में भाग लिया। यह उनके लिए न केवल एक बड़ी उपलब्धि थी, बल्कि भारत के लिए भी गर्व का क्षण था। ग्लोबल टीचर प्राइज के टॉप 10 में चयनित होना किसी भी शिक्षक के लिए एक अद्वितीय सम्मान है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के साथ होने का अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहा। हालांकि वे अंतिम पुरस्कार जीतने में सफल नहीं हुए, लेकिन उन्होंनें टॉप 10 में भारत से एकमात्र शिक्षक के रूप में देश का मजबूत प्रतिनिधित्व किया। इमरान खान ने ग्लोबल टीचर प्राइज के मुख्य कार्यक्रम में कोरोना महामारी के दौरान विकसित की गई अपनी देवनानी ऐप के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह ऐप कैसे हजारों छात्रों के लिए लाभदायक सिद्ध हुई और सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए सीखने को सुनिश्चित किया। इस अवसर पर वरकी फाउंडेशन द्वारा उनकी एक शोर्ट फ़िल्म भी प्रदर्शित की गई । इस यात्रा के दौरान उन्होंने दुबई के कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय विद्यालयों का भी दौरा किया, जहां उन्होंने वहां की आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का अवलोकन किया और वैश्विक स्तर पर शिक्षा के नए दृष्टिकोणों को समझा। इसके अलावा, वैश्विक टॉप 10 शिक्षकों के साथ दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा और प्रसिद्ध म्यूज़ियम ऑफ़ द फ्यूचर का भी भ्रमण किया। इन स्थलों की यात्रा उनके लिए एक प्रेरणादायक अनुभव रही, जिससे उन्हें नवीनतम तकनीकों और नवाचारों को समझने का अवसर मिला। अंतिम पुरस्कार समारोह और विजेता घोषणा दुबई में आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में हुई। अंतिम रूप से सऊदी अरब के मंसूर अल मंसूर को यह पुरस्कार मिला। जिन्होंने अपने चैरिटी कार्य और कैदियों को शिक्षा देने के लिए 1 मिलियन डॉलर का ग्लोबल टीचर पुरस्कार जीता। एपगुरु इमरान ख़ान की इस उपलब्धि ने भारतीय शिक्षा प्रणाली और शिक्षकों के योगदान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। उनके समर्पण और योगदान से न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया प्रेरणा ले सकती है।

केन्द्रीय कारागृह अलवर का औचक निरीक्षण

अलवर (का.सं.)

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला एवं सेशन न्यायाधीश, अलवर श्री हरेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार केन्द्रीय कारागृह अलवर का औचक निरीक्षण किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अलवर मोहन लाल सोनी द्वारा बताया कि निरीक्षण के दौरान कुल 940 बंदी निरूद्ध पाए गए एवं प्रत्येक वार्ड के अनुसार बंदियों की संख्या जांची गई। सोनी कारागृह में निरूद्ध बंदियों से वार्ता कर उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई एवं ऐसे बंदीगण जिनके प्रकरणों में नि:शुल्क विधिक सहायता के तहत अधिवक्ता नियुक्त है उनसे उनके प्रकरणों में नि:शुल्क अधिवक्ता द्वारा की जा रही पैरवी के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। कारागृह के जेलर द्वारा बताया गया कि प्रत्येक बंदी को नियमित रूप से तारीख पेशी बताई जा रही है। साथ ही उपकारागृह बहरोड़ के जितने भी वारंट है वो वहीं रखते हैं, और वहां से गार्ड का नहीं आना बताया गया। वार्ड नं. 6 के एक बंदी द्वारा विधिक सहायता चाही गई, जिस हेतु सोनी द्वारा मौके पर ही आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान श्री सोनी द्वारा कारागृह में दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान शिकायत पेटिका अत्यधिक ऊंचाई पर रखी हुई पाई गई, जिस पर श्री सोनी द्वारा शिकायत पेटिका को यथोचित स्थान पर रखने के निर्देश दिए गए, जिससे बंदियों की पहुंच आसान हो। श्री सोनी द्वारा कारागृह की नालियों का निरीक्षण किया गया एवं होद (नहाने की जगह) का निरीक्षण करने पर होद में पानी साफ पाया गया किन्तु नालियां एवं होद टूटी हुई पाई गई, जिसकी मरम्मत एवं साफ-सफाई के आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए गए। जेलर द्वारा बताया गया कि नालियों एवं होद की सफाई प्रत्येक दो दिन में करवाई जा रही है। सोनी द्वारा पीने के पानी के स्टॉक के रखे जाने पर जानकारी ली गई। कारागृह का कचरा नगरपालिका के सफाई कार्मिकों द्वारा उठाया जाना बताया गया। कारागृह में 02 दिन में सफाई का कार्यक्रम रखा जाता है। निरीक्षण के दौरान किसी भी बंदी द्वारा मेडिकल की कोई समस्या नहीं बताई गई। कारागृह निरीक्षण के दौरान मौके पर केन्द्रीय कारागृह अलवर के जेलर रविन्द्र उपाध्याय तथा चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अलवर महेश गोठवाल, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल अलवर मुकेश शर्मा एवं अन्य कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया कचरा निस्तारण प्लांट एवं एसटीपी का निरीक्षण

कचरा निस्तारण प्लांट में तैयार कम्पोस्ट का होगा शहर के पार्कों व किसानों की खेती में उपयोग

अलवर (का.सं.)

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अग्यारा स्थित कचरा निस्तारण प्लांट (एसडब्ल्यूएम) व एसटीपी का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने कचरा निस्तारण प्लांट में कचरे के पृथकीकरण कार्य करने व कचरे से कम्पोस्ट बनने की प्रक्रिया का अवलोकन कर नगर निगम के कार्य की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि प्लांट को पूरी क्षमता के साथ संचालित करावें। इसके लिए आवश्यक मानव संसाधन में वृद्धि करें। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि मौजूदा कचरे को 4 माह में निस्तारित करें। ग्रीनरी लगाने का प्लान तैयार करें, चार दिवारी आदि के कार्य 15 अप्रेल तक पूर्ण करावें।

उन्होंने निर्देश दिये कि यहां तैयार कम्पोस्ट खाद का उपयोग शहर के पार्कों में करने के साथ किसानों को भी यह खाद उपलब्ध करावे। उन्होंने यहां तैयार आरडीएफ को सीमेंट फैक्ट्री बोयलर्स आदि में उपयोग हेतु भी भिजवाने की आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि यहां पर साप्ताहिक स्प्रे करावे ताकि मक्खी आदि की समस्या उत्पन्न नहीं होवे। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि दोनों प्लांटों को दुर्गन्ध मुक्त करने हेतु निर्धारित

पैरामीटरों का उपयोग करें। उन्होंने एसटीपी का निरीक्षण कर संचालक एजेन्सी के माध्यम से फिल्टर मिडिया के दोनों छोर पर शोधित जल के बीएलडी व सीएलडी की रिपोर्टिंग के लिए सेंसर लगाने का कार्य व एसटीपी जल की टेस्टिंग लैब को आगामी 15 दिन में शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि एसटीपी के शोधित जल का उपयोग शहर के पार्कों, कृषि हेतु उपयोग व एमआईए औद्योगिक क्षेत्र में उपयोग हेतु कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिये कि दोनों प्लांटों में आवश्यकतानुसार संकेतक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि शोधित पानी स्टोरेज टैंक पर गेज लगवाए तथा शोधित पानी को नाले तक ले जाने वाली चैनल को पक्का करावे। उन्होंने बगड तिराया से हनुमान सर्किल तक की सडक की साफ-सफाई कराने के भी निर्देश दिये। इस दौरान नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरुका, यूआईटी के अधीक्षण अभियंता तैयब खान, अधिशाषी अभियंता अशोक मदान, नगर निगम के अधिशाषी अभियंता खेमराज मीणा, सफाई निरीक्षक लक्ष्मण मीना सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला प्रशासन का नवाचार 'मिशन आकाश', जिला कलक्टर ने दिए जिले में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को एनिमिया व कुपोषण मुक्त करने हेतु सघन अभियान चलाने के निर्देश

अलवर (का.सं.)

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में मिशन आकाश के तहत एनिमिया एवं कुपोषण मुक्त अलवर अभियान का शुभारम्भ किया। जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को एनिमिया व कुपोषण मुक्त करने हेतु सघन अभियान प्रारम्भ किया गया है, उन्होंने जिला परिषद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, महिला अधिकारिता, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय समन्वय स्थापित कर अभियान का सफल कियान्वयन करावें। उन्होंने सभी बीसीएमओ को निर्देश दिये कि चिकित्सा कर्मियों को स्क्रीनिंग आदि के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करावें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के तहत जिले के सभी लक्षित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग एवं हीमोग्लोबिन की जांच कर आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क उपचार उपलब्ध

करवाया जाए तथा उसका फोलोअप भी लेवें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत जिले में 0-6 वर्ष तक के करीब ढाई लाख बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी तथा आंगनबाडी केंद्र पर रजिस्टर्ड बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर संबंधित एएनएम को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि विभाग के कार्मिकों द्वारा आंगनबाडी केंद्र पर माह में एक बार कैम्प आयोजित कर एनीमिया एवं कुपोषण की स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबिन टेस्टिंग एवं वजन-लम्बाई आकलन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कुपोषित एवं एनिमिक पाए गए बच्चों के उपचार हेतु आईएएफ सिरप व टेबलेट दी जाएगी। अति कुपोषित एवं अति गंभीर एनिमिया से ग्रसित बच्चों को शिशु रोग विशेषज्ञ से परामर्श एवं उपचार दिलाया जाएगा। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रविन्द्र, डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ. के.के मीणा, आरसीएचओ डॉ. मंजू शर्मा, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कपिल भारद्वाज सहित समस्त बीसीएमओ एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025:

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी

रोहित, कोहली और इस खिलाड़ी का चैंपियंस ट्रॉफी आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की तरफ से कई स्टार खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे जो अपने क्रिकेट करियर के आखिरी पड़ाव पर चल रहे हैं। अब उन खिलाड़ियों को लेकर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा कि ये इन खिलाड़ियों का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। आकाश का मानना है कि विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा अपना आखिरी आईसीसी इवेंट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के रूप में खेलेंगे। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया।

कोहली, रोहित और जडेजा भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले थे और टीम के चैंपियन बनने के बाद इन तीनों ने एक साथ ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। अब आकाश चोपड़ा का मानना है कि इन तीनों खिलाड़ियों के लिए ये आईसीसी का आखिरी इवेंट हो सकता है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी इन तीनों खिलाड़ियों के लिए आखिरी आईसीसी इवेंट होगा। इसके लिए उन्होंने इन तीनों की उम्र और उनके करियर के उतार-चढ़ाव का हवाला दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर ये खिलाड़ी भारत के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो ये आदर्श स्थिति नहीं होगी।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि मैं भारी मन से कह रहा हूंजकि इसकी प्रबल संभावना है। चैंपियंस ट्रॉफी होने वाली है और उसके बाद इस साल एक और आईसीसी इवेंट होगा जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल है और हम वहां नहीं पहुंचे थे। इसलिए विराट कोहली, रोहित और जडेजा में से कोई भी उसमें नहीं खेलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद अगले साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, लेकिन तीनों इससे रिटायर हो चुके हैं और वहां भी नहीं खेलेंगे। आकाश चोपड़ा ने इसके बाद कहा कि इसके बाद 2027 में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा जो अभी दूर है। 2027 तक दुनिया अलग दिखेगी और काफी कुछ बदल चुका होगा। ऐसे में मुझे ही नहीं इन खिलाड़ियों को भी लग रहा होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 उनका आखिरी आईसीसी इवेंट हो सकता है। आपको बता दें कि कोहली इस वक्त 36 साल के हैं जबकि रोहित शर्मा 37 वर्ष के हैं और दोनों पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से टीम इंडिया की बल्लेबाजी के पिलर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी दोनों से काफी उम्मीदें हैं।

कोई फर्क नहीं पड़ेगा...

बुमराह पर बीसीसीआई के बयान ने मचा दी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं. सभी आठ टीमों को अपने स्क्वाड का ऐलान करने के बाद बड़ा झटका लगा है. लगभग सभी टीमों का कोइ ना कोई स्टार खिलाड़ी चोट के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया. सबसे बड़ा झटका टीम इंडिया ने झेला. बैक इंजरी के चलते दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं. इस दिग्गज गेंदबाज की कमी फैंस और टीम इंडिया को इस बड़े टूर्नामेंट में जरूर खलेगी. हालांकि बीसीसीआई का मानना है कि टीम इंडिया को बुमराह की कमी महसूस नहीं होगी. जसप्रीत बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बड़ा बयाना दिया है. उन्होंने कहा कि बुमराह के ना होने पर भी टीम कॉम्बिनेशन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. सैकिया ने बात करते हुए कहा, 'हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जिस टीम का सेलेक्शन किया है वो सर्वश्रेष्ठ टीम है. हमारे पास इतनी बड़ी बेंच स्ट्रेंथ है और मुझे नहीं लगता कि इससे (बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने से) टीम कॉम्बिनेशन पर कुछ असर होगा'.

फ्रीस्टाईल चेस:

फिरोजा से हारे गुकेश, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अंतिम स्थान पर रहे

हैम्बर्ग (जर्मनी), एजेंसी। गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेज़ा फ़िरोज़ा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूर्नामेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ।

गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को टूर्नामेंट से पहले खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन आखिर में उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों की अंतिम स्थिति इस प्रकार रही- 1. विंसेंट कीमर; 2. फैबियानो कारुआना; 3. मैग्नस कार्लसन; 4. जावोखिर सिंदारोव; 5. हिकारू नाकामुरा; 6. नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव; 7. अलीरेज़ा फ़िरोज़ा; 8. डी गुकेश।

आईएसपीएल सीजन-2- श्रीनगर फाइनल में पहुंची

एलिमिनेटर में हैदराबाद को 8 विकेट से हराया, फाइनल में मुंबई से मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग सीजन-2 के एलिमिनेटर में श्रीनगर ने हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 10 ओवर में 89/6 का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीनगर के सागर अली की फिफ्टी के चलते टीम ने 8.4 ओवर में 92 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। फाइनल में टीम का मुकाबला आज माझी मुंबई से होगा। एलिमिनेटर का टॉस श्रीनगर ने जीता। टीम ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया।

मंसूर ने नाबाद 46 रन बनाए हैदराबाद की शुरुआत खराब रही। टीम ने अपने पहले 5 विकेट मात्र 24 रन पर गंवा दिए। ओपनर किसन सातपुते (6 रन), पदमेश म्हात्रे (5 रन), आकाश जांगिड़ (शून्य रन), परबजोत सिंह (2 रन), विश्वजीत ठाकुर (10 रन) बनाकर आउट हुए। श्रीनगर से राजेश सोरते ने 3 विकेट लिए। मिडिल आर्डर बैट्समैन मंसूर ने हैदराबाद की

पारी को संभाला। उन्होंने तेजी से खेलते हुए 19 बॉल पर 46 रन बनाए। पारी में 3 चौके और 3 छक्के भी लगाए, उनका साथ टीम के कप्तान संभाजी पाटिल ने दिए। उन्होंने 7 रन बनाए।

मंसूर केएल ने 242.10 के स्ट्राइक रेट से 46 रन बनाए। सागर ने एक ओवर में 43 रन बनाए टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर सागर अली ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 26 बॉल पर 53 रन बनाए। पारी में 2 चौके और 5 छक्के लगाए। इन 5 सिक्स में सागर ने विश्वजीत ठाकुर के एक ओवर लगातार 4 छक्के लगा दिए। आईएसपीएल के 50-50 ओवर में सागर और संस्कार की जोड़ी ने 29 रन बनाए। इस ओवर के नियम मुताबिक श्रीनगर को बनाए हुए रन के आधे रन और मिले यानी टीम ने ओवर में जो रन बनाए उसमें 14 रन और जुड़े, कुल 43 रन बने।

सागर अली टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने शुक्रवार को 5 छक्के और 2 चौके की मदद से 53 रन बनाए। क्या होता है आईएसपीएल का 50-50 ओवर आईएसपीएल टूर्नामेंट में हर मैच 10-10 ओवर के होते हैं।

इन 10 ओवर में 2 आईएसपीएल ओवर होता है और एक ओवर 50-50 का होता है। आईएसपीएल ओवर्स में बॉलर को नई बॉल होती हैं, जिसपर टेपिंग हुई होती हैं। यह बॉल पिच से पढ़कर एक ही तरफ स्विंग होती हैं। वहीं 50-50 ओवर बल्लेबाजी कर रही टीम डिसाइड करती हैं की उसे 10 ओवर के बीच का यह ओवर लेना हैं। इस ओवर में बैटिंग टीम अपने लिए एक टारगेट सेट करती हैं।

उदाहरण के लिए मान लीजिए किसी टीम ने 50-50 ओवर का टारगेट 10 रन सेट किया हैं

पुलवामा हमले में शहीद हुए जवान के बेटे का अंडर-19 टीम में चयन... वीरेंद्र सहवाग ने बताई कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलवामा में हुए आतंकी हमले को 6 साल पूरे हो चुके हैं. 14 फरवरी 2019 को जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी ने विस्फोटक से लदे वाहन को आरपीएफ जवानों की बस से टक्कर मार दी थी. इस टक्कर के बाद एक जोरदार धमाका हुआ. हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे.

सहवाग ने लिया था ये फैसला...

पुलवामा हमले के बाद टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने एक दिल जीतने वाला फैसला लिया था. सहवाग ने पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली. सहवाग ये जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं. राहुल सोरेंग और अर्पित सिंह झज्जर स्थित सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई करते हैं. राहुल के पिता विजय सोरेंग और अर्पित सिंह के पिता राम वकील उस आतंकवादी हमले में शहीद हो गए थे. राहुल सोरेंग तो अब क्रिकेट की दुनिया में भी अपनी पहचान बना रहे हैं. राहुल सोरेंगे का चयन हाल ही में हरियाणा अंडर-19 टीम में हुआ है. इसकी जानकारी वीरेंद्र सहवाग ने खुद दी है. वीरेंद्र सहवाग ने पुलवामा अटैक की छठी बरसी पर एक मार्मिक पोस्ट शेयर किया. सहवाग ने लिखा, इस दुखद दिन को 6 साल हो गए है.

तिराना टूर्नामेंट से बाहर रह सकते हैं भारतीय पहलवान, मंत्रालय-महासंघ ने एक-दूसरे पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था।

भारतीय पहलवान अल्बानिया में वर्ष की दूसरी रैंकिंग सीरिज से बाहर रहेंगे चूंकि खेल मंत्रालय ने यह कहकर मंजूरी रोक दी कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने समय पर जरूरी अनुशंसा जमा नहीं की जबकि महासंघ ने इस आरोप को खारिज किया। मंत्रालय और निलंबित डब्ल्यूएफआई के बीच मतभेदों के चलते भारतीय पहलवान क्रोएशिया के जगरेब में पहली रैंकिंग सीरिज से बाहर रह चुके हैं। दूसरा रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट 26 फरवरी से दो मार्च तक अल्बानिया में होगा। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था। डब्ल्यूएफआई ने ऐन मौके पर प्रस्ताव भेजा और प्रस्तावित नाम भेजने में भी विलंब हुआ। इसलिए मंजूरी नहीं दी जा सकी।

नेशनल गेम्स 2025:

ओडिशा सरकार का तोहफा, पदक जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देगी

भुवनेश्वर, एजेंसी। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

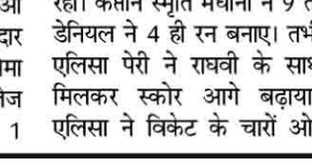

ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा, ओडिशा ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी छाप छोड़ी है और वह पदक तालिका में शीर्ष 15 राज्यों में शामिल रहा। 14 स्वर्ण सहित 46 पदक जीतना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मैं सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देता हूं। सेना के कुल 121 (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) पदक हो गए।

ब्राइटन के खिलाफ चेल्सी की 0-3 से हार के बाद मारेस्का ने बताया इसे सबसे खराब प्रदर्शन

ब्राइटन, एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने अपनी टीम की हार पर नाराजगी व्यक्त की है। उनकी टीम को शुक्रवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ 0-3 की करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे अपनी टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन बताया। चेल्सी पूरे मैच में एक भी सही शॉट नहीं लगा सकी और कोई गोल नहीं हुआ। इस मैच में ब्राइटन के काओरू मितोमा ने शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद यानकुबा मिन्टेह ने दो और गोल दागे और ब्राइटन ने आसानी से जीत हासिल कर ली। चेल्सी पूरे मैच में आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई।

मारेस्का ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, जब से मैं आया हूं, यह सबसे खराब प्रदर्शन है, खासकर ऐसे समय में जब हम अच्छे स्थान पर थे। हम लीग में चौथे स्थान पर हैं और अगर हम यह मैच जीतते, तो तीसरे स्थान से सिर्फ एक अंक दूर होते और बाकी टीमों से फासला बढ़ा सकते थे। लेकिन हमने जिस तरह का खेल दिखाया, वह बिल्कुल भी सही नहीं था। हम इस हार से बहुत दुखी हैं और प्रशंसकों से माफी चाहते हैं। कई अहम अटैकिंग खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेल रहे थे, जिससे टीम और कमजोर दिखी। 45 वर्षीय इटालियन कोच ने कहा, पहले 30 मिनट तक हमने अच्छा नियंत्रण रखा, लेकिन मितोमा का गोल होने के बाद हम जल्दी मौके देने लगे और खुद अच्छे मौके बना नहीं पाए।

डब्ल्यूपीएल 2025:

ऋचा घोष की तूफानी पारी, 6 विकेट से जीती आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना के नेतृत्व में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला टीम ने गुजरात जायंट्स को वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में चल रहे मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने पहले खेलते हुए मजबूत शुरूआत की थी। बेथ मूनी ने 56, एशले गार्डनर ने 79 रन बनाकर स्कोर 201 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी आरसीबी ने खराब शुरूआत के बावजूद एलिसा पेरी और ऋचा घोष के अर्धशतकों की मदद से यह मुकाबला 19वें ओवर में जीत लिया।

गुजरात जाइंट्स:201/5 (20 ओवर)

गत चैम्पियन आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। स्कोर बोर्ड पर जब 41 रन टंगे थे तब लौरा वोल्वार्ट और डी हेमलता पवेलियन लौट गए लेकिन गार्डनर और मूनी ने टीम को इन झटकों से निकाला। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े। मूनी को लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने आउट किया जिनका कैच मंधाना

ने लपका। गार्डनर ने इसके बाद वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन (13 गेंद में 25 रन) के साथ 5 ओवर में 67 रन जोड़े। डोटिन ने अपनी आक्रामक पारी में 3 चौके और 1 छक्का लगाया। महिलाओं की एशेज श्रृंखला से ही शानदार फॉर्म में चल रही गार्डनर ने प्रेमा और भारत की अंडर 19 तेज गेंदबाज वीजे जोशिता को 1 ओवर में 3 छक्के लगाए। डोटिन को तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने आउट किया लेकिन तब तक गुजरात की टीम बड़ा स्कोर बना चुकी थी। रेणुका ने 25 रन देकर 2 विकेट लिए।

आरसीबी: 202-4 (18.3 ओवर)

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना ने 9 तो डेनियल ने 4 ही रन बनाए। तभी एलिसा पेरी ने राघवी के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। एलिसा ने विकेट के चारों ओर शॉट लगाए और 34 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 57 रन बनाए। वहीं, राघवी ने 27 गेंदों पर 25 रनों का योगदान दिया।

स्कोर जब 109 रन पर चार विकेट था तब ऋचा घोष और कनिका ने स्कोर संभाला। ऋचा तो इस दौरान अलग ही लय में दिखी। उन्होंने 27 गेंदों पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। वहीं, कनिका ने 13 गेंदों पर 30 रन बनाकर 19वें ओवर में ही अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी।

जयपुर, अलवर एवं भरतपुर से एक साथ प्रकाशित दैनिक
अरुणप्रभा
केन्द्र व राज्य से विज्ञापनों के लिए मान्य
अभिनव हिन्दी दैनिक

कोटा में केमिकल कंपनी ने गैस छोड़ी स्कूली बच्चे बेहोश

सांस लेने में तकलीफ और उल्टियां होने लगी; कर्मचारी कंधे पर लेकर भागे

यतेंद्रनाथ शर्मा/कोटा। कोटा में चंबल फर्टिलाइजर कंपनी की फैक्ट्री से छोड़ी गई अमोनिया गैस स्कूल तक पहुंच गई। जिससे स्कूली बच्चों को सांस लेने में दिक्क त होने लगी, और वह बेहोश होकर स्कूल के ग्राउंड में गिरने लगे। इस दौरान कई बच्चों को उल्टियां भी होने लगीं। स्कूली कर्मचारियों ने बच्चों को कंधे पर लेकर अस्पताल पहुंचाया। चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड की फैक्ट्री के पास ही सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल स्थित है। फैक्ट्री स्कूल की बाउंड्री से अटैच है, जबकि फैक्ट्री का गेट 500 मीटर दूर है। सीएफसीएल स्थित हॉस्पिटल के डॉ. आरके शर्मा ने बताया कि गैस रिसाव के बाद अस्पताल में 15 बच्चों, एक स्टाफ और 2 गांव वालों को लाया गया। गंभीर मरीजों में से 9 बच्चों को कोटा जिला अस्पताल रेफर किया गया। कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी ने बताया कि घटना का पता लगने पर सिमलिया गांव का दौरा किया। फैक्ट्री में जाकर आए हैं। बच्चों के सेहत की भी जानकारी ली है। गैस लीकेज या रिलीज को लेकर अभी तक स्पष्ट कारण सामने नहीं आए है। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को मौके पर बुलवाया है। स्कूल के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हेमंत कुमार ने बताया कि अमोनिया गैस से बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। पहले हमारे सर की गाड़ी से 7 बच्चों को लाया। फिर 5 और छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें भी हॉस्पिटल लाया। तीसरे राउंड में फिर गया। बच्चों को कंधे पर लेकर आया। यहां लाने के बाद मेरा भी गला जाम हो गया, सिर भारी हो गया। मुझे चक्कर आने लगे।

कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ कर रही सत्ता संघर्ष जो इंडिया ब्लॉक में हैं सहयोगी

नई दिल्ली। कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ अपने संबंधों को कैसे सुधारे, जिन्होंने राज्यों में उसे सत्ता से बेदखल कर दिया है, लेकिन इंडिया ब्लॉक के बैनर तले सहयोगी बने हुए हैं। कांग्रेस कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ सत्ता संघर्ष में लगी है। इसकी वजह है कि वे एक-दूसरे पर बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में खत्म हुए दिल्ली चुनाव कांग्रेस की आक्रामक रणनीति का एक ज्वलंत उदाहरण था। देश की सबसे पुरानी पार्टी लगातार तीसरी बार दिल्ली विधानसभा में कोई सीट नहीं जीत पाई, लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल करने में अहम भूमिका निभाने में कामयाब रही। दोनों दलों के बीच वोटों के बंटवारे ने बीजेपी को जीत दिलाई। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार की टिप्पणी पार्टी के भीतर की सोच को दर्शाती है। बंगाल कांग्रेस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद, कई क्षेत्रीय दलों को एहसास हुआ है कि उस चुनाव में कांग्रेस को नजरअंदाज करना एक गलती थी। आप जैसी पार्टियों और उनके जैसे सोचने वालों के साथ समस्या यह है कि वे बीजेपी की बी-टीम से ज्यादा कुछ नहीं हैं। ममता बनर्जी ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है।

बांग्लादेश से पाकुड़ आया आतंकी, युवाओं को दी ट्रेनिंग, एटीएस कर रही जांच

रांची। झारखंड में कुछ लोगों को आतंकी ट्रेनिंग दिए जाने की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि बांग्लादेश से आकर एक आतंकी झारखंड के पाकुड़ जिले के कुछ युवकों को आतंक के रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह खुलासा एक खुफिया पत्र के जरिए हुआ है। पत्र में लिखा है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी आतंकी साजिश रच रहे हैं। साजिश के तहत कुछ आतंकी बांग्लादेश से झारखंड आ गए और पाकुड़ में कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर वापस लौट गए। मामले को लेकर झारखंड एटीएस ने अलर्ट जारी किया है। जानकारी के मुताबिक झारखंड एटीएस को सूचना मिली है कि बांग्लादेश की सीमा पार कर जेएमबी आतंकी अब्दुल मम्मुन मुर्शिदाबाद के धुलियान के रास्ते झारखंड के पाकुड़ जिला आया था। उसने जेएएच नाम के संगठन के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद उसने कई कैडरों को आतंकी ट्रेनिंग दी और फिर वापस लौट गया। पूरे मामले की अब एटीएस जांच कर रही है। वहीं सारे जिलों के एसपी और डीआईजी को गोपनीय सूचनाएं जुटा कर कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा है। पत्र में यह भी बताया गया है कि बंगाल और झारखंड के पाकुड़ के संदिग्ध शामिल हुए थे। एटीएस को जानकारी मिली है कि अब्दुल मम्मुन बांग्लादेश के सतखीरा के गोपीनाथपुर इलाके का रहने वाला है। अवैध तरीके से सीमा पार करने के बाद वह 6 जनवरी को पाकुड़ आया था। वहीं जानकारी में यह भी बताया गया है कि जेएएचए- इंडिया और जमात उल मुजाहिदीन के सदस्यों के बीच एक बैठक भी पाकुड़ के इस्लामी दावा सेंटर दुबराजपुर में हुई थी। एक दिन की ट्रेनिंग के बाद अब्दुल वापस धुलियान के रास्ते बांग्लादेश लौट गया। एटीएस को जानकारी मिली है कि बैठक में मुर्शिदाबाद के जलांगी के कई लोग शामिल हुए थे। बता दें कि बांग्लादेशी प्रतिबंधित संगठन जेएमबी की सक्रियता संथाल परगना के साहिबगंज और पाकुड़ में पूर्व में भी रही है। इस संगठन के संदिग्धों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स की जानकारी पूर्व में भी एटीएस ने जुटायी थी।

अवैध प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजना अमेरिका का महापाप : उमा भारती

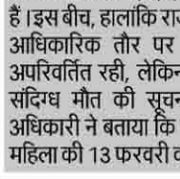

भोपाल। अमेरिका से भारत वापस भेजे गए अप्रवासी भारतीयों को जिस तरह से लाया गया, उसपर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा ही रहे थे लेकिन अब पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने भी इसपर नाराजगी जाहिर की है। उमा ने कहा कि अमेरिका से अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें हवाई जहाज से ही भेजा जा रहा था, तब हथकड़ी और बेड़ियां क्यों लगाई गई। यह हरकत अमेरिकी शासन की क्रूरता एवं अमानवीयता को दिखाती है। अवैध तरीके से किसी देश में घुसना अपराध है, उसकी सजा के प्रत्येक देश में अपने कानून के अनुसार प्रावधान हैं। लेकिन ऐसी क्रूरता महापाप है। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार को भारत पहुंचने वाला है। अमृतसर में विमान की लैंडिंग रात करीब 10 बजे के बीच होगी। इस प्लेन से 119 भारतीयों को अमेरिका ने वापस भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, तीसरा विमान भी अमेरिका से 16 फरवरी को आ सकता है, जिसमें 157 लोग आ रहे है।

महाराष्ट्र जीबीएस के मामले 207 के करीब, 20 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर

पुणे। महाराष्ट्र के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राज्य में गिलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के संदिग्ध और सक्रमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दो मामलों का पता चलने के बाद संख्या बढ़कर 207 हो गई है। राज्य में शुक्रवार को दो नए मामलों के साथ पुष्ट मामलों की संख्या 180 हो गई है, इसमें से 20 वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। इस बीच, हालांकि राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आधिकारिक तौर पर मौतों की संख्या आठ पर अपरिवर्तित रही, लेकिन कोल्हापुर में बीमारी से एक संदिग्ध मौत की सूचना मिली है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि वांगिड तहसील की 60 वर्षीय महिला की 13 फरवरी को मौत हुई।

भारतीय प्रवासियों के हाथों में फिर होंगी हथकड़ियां? चिदंबरम ने सरकार से पूछा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका से भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर दूसरे अमेरिकी विमान का आगमन भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षण होगा। चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि सभी की निगाहें अमेरिकी विमान पर होंगी जो आज अवैध अप्रवासियों को वापस लेकर अमृतसर में उतरेगा। क्या निर्वासित लोगों को हथकड़ी लगाई जाएगी और उनके पैर रस्सियों से बांध दिए जाएंगे? उन्होंने आगे कहा कि यह भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षा है। संयुक्त राज्य अमेरिका से 119 भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर एक विमान शनिवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा। फ्लाइट के रात 10 बजे से 11 बजे के बीच एयरपोर्ट पर उतरने की उम्मीद है।

119 निर्वासित लोगों में से 67 पंजाब से, 33 हरियाणा से, आठ गुजरात से, तीन उत्तर प्रदेश से, दो-दो गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से और एक-एक हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से हैं। भारत पहुंचने वाले निर्वासित लोगों में वे लोग शामिल हैं जो मेक्सिको और अन्य मार्गों से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, उन्होंने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने के तुरंत बाद कथित तौर पर अपने पासपोर्ट भी फाड़ दिए। डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वाले लोगों पर अभूतपूर्व कार्रवाई के बीच अमृतसर के लिए उड़ानें वापसी करने वाले लोगों की दूसरी खेप हैं।

इससे पहले, भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर अमेरिकी वायु सेना का एक विमान 5 फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमृतसर में उतरने वाले विमान में कुल 104 भारतीय नागरिक सवार थे। कई निर्वासित लोगों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ और पैर बंधे हुए थे और अमृतसर में उतरने के बाद ही उन्हें बंधन से मुक्त किया गया। इससे देश भर में आक्रोश फैल गया, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिका के साथ इस मुद्दे को उठाने की मांग की।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च से, 7 मार्च को पेश होगा बजट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च को जम्मू में आयोजित होगा। सरकार में वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट पेश करने वाले है। यह जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार का पहला बजट सत्र होगा। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर के अनुसार, 28 दिवसीय सत्र 3 मार्च को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 6 मार्च तक विधायकों द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा जाएगा। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट (व्यय का वार्षिक वित्तीय विवरण) पेश करने और 8 मार्च को बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 12 से 24 मार्च तक विधायकों द्वारा अनुदान की मांगें पेश की जाएगी। 7 से 9 अप्रैल तक निजी सदस्यों के विधेयक और संकल्प पेश किए जाएंगे, जबकि अंतिम दिन 11 अप्रैल को सरकारी कामकाज होगा। बता दें कि, विधानसभा का पहला चार दिवसीय परिचय सत्र नवंबर में श्रीनगर में आयोजित किया गया था और सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए पारित प्रस्ताव पर विवादों से घिरा रहा। मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था, जबकि छोटे विपक्षी दल पीडीपी और सज्जाद लोन ने आलोचना के साथ प्रस्ताव का समर्थन किया था।

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को एलजी ने किया बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने शनिवार को अनुच्छेद 311 की एक विशेष धारा लागू की और जम्मू-कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाओं को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के चलते समाप्त कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब सीएम उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार ने केंद्र के साथ अपने संबंधों के संभावित पुनर्मूल्यांकन का संकेत दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने कहा कि एलजी ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) को लागू कर दिया है। ये 2020 में पेश किया गया एक विशेष प्रावधान है। इसके तहत पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट, शिक्षक मुहम्मद अशरफ भट और वन विभाग में अर्दली निसार अहमद खान को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर तीनों को बर्खास्त किया है। वे सभी फिलहाल आतंकवाद से जुड़े कई आरोपों में जेल में हैं।

अधिकारियों के अनुसार फिरदौस अहमद को आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि उसने आतंकवादी संगठनों को रसद और अन्य सहायता प्रदान की। मुहम्मद अशरफ पर छात्रों को कट्टरपंथी बनाने और प्रतिबंधित संगठनों के साथ संबंध बनाए रखने का आरोप है, जबकि खान कथित तौर पर कश्मीर के जंगली इलाकों में आतंकवादियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने में शामिल था। हाल ही में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि कम से कम अपनी सरकार के शुरुआती कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर के लोगों के प्रति मेरा यह दायित्व है कि मैं केंद्र सरकार के साथ अच्छे कामकाजी संबंध स्थापित करने का प्रयास करूं। अगर इससे केंद्र सरकार द्वारा हमसे किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं, तो हम इस पर फिर से विचार करेंगे।

छवि सुधारने आरजेडी कर रही मंथन, दिल्ली में बिहार पॉलिसी डायलॉग का आयोजन

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अपनी छवि सुधारने के लिए सक्रिय हो गया है। आज 15 फरवरी को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बिहार पॉलिसी डायलॉग का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सोन वैली डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से किया गया है। इस पॉलिसी डायलॉग में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और सार्वजनिक वित्त जैसे विषयों पर विशेषज्ञों और शिक्षाविदों द्वारा विचार रखे जाएंगे। आरजेडी इन विचारों को अपने आगामी घोषणा-पत्र में शामिल करने की योजना बना रही है। पार्टी महासचिव शाश्वत गौतम के मुताबिक इस कार्यक्रम का अगला चरण पटना में आयोजित किया जाएगा, जहां प्राप्त सुझावों को विस्तृत रूप से परखा जाएगा।

पार्टी विचार कर रही है बिहार का बजट भारी-भरकम ब्याज से मुक्त कैसे बनाया जाए? जनता की आर्थिक क्षमता बढ़ाने के लिए राहत योजनाओं से अलग क्या रणनीति अपनाई जाए? स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में निजी संस्थानों की बढ़ती भूमिका को संतुलित करने के लिए क्या उपाय किए जाएं? पार्टी अंदरखाने ओबीसी इंटलेक्चुअल वर्ग को एक मंच पर लाने की रणनीति पर भी विचार कर रही है, जिससे आगामी बजट सत्र और विधानसभा चुनाव में इसे लाभ मिल सके।

आरजेडी बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री राबड़ी देवी देने का श्रेय लेती है, लेकिन अब तक महिलाओं को लेकर कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। तेजस्वी यादव ने 'माई-बहन सम्मान योजना' के तहत महिलाओं के खाते में हर माह 2500 रुपए देने का वादा किया है। साथ ही पार्टी की महिला विंग की अध्यक्षता रितु जायसवाल को सौंपी गई है। पिछले लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो बिहार में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था। इसी कारण तेजस्वी ने अपने भाषणों में 'एम मतलब महिला और वॉय मतलब युवा' का नारा दिया है।

तेजस्वी बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाते हुए युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि 17 महीने में किया कमाल, हमें दीजिए पूरे 5 साल। उनकी टीम में युवा नेतृत्व को महत्व दिया है, जिसमें राज्यसभा सांसद संजय यादव और पूर्व में नीतीश कुमार के साथ काम कर चुके शाश्वत गौतम जैसे पढ़े-लिखे युवाओं को जगह दी गई है। बिहार में 8 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए आरजेडी इस पॉलिसी डायलॉग के जरिए से अपनी छवि सुधारने और जनसंपर्क मजबूत करने में जुटी हुई है।

उत्तर प्रदेश और गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी लव जिहाद के खिलाफ कानून

- पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन

मुंबई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र भी लव जिहाद के खिलाफ कानून लाएगा। लव जिहाद कानून के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है। दरअसल प्रदेश में लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर लव जिहाद और धोखाधड़ी व बलपूर्वक किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने लव जिहाद के खिलाफ कानून का मसौदा तैयार करने के लिए पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया है। यह विशेष समिति राज्य की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करेगी। लव जिहाद धोखाधड़ी और बल के माध्यम से किए गए धर्मांतरण के खिलाफ उपाय सुझाने वाले कानून का मसौदा तैयार करेगा। इस तरह, महाराष्ट्र लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने वाला देश का दसवां राज्य बन जाएगा। अब तक देश के 9 राज्यों- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ने लव जिहाद विरोधी कानून पेश किए हैं। इसी तर्ज पर, भाजपा नेता और मंत्री नितेश राणे सहित राज्य के विभिन्न हिंदू संगठनों ने महाराष्ट्र में भी लव जिहाद कानून लागू करने की मांग की थी।

क्या है लव जिहाद ?

जब किसी धर्म विशेष का व्यक्ति किसी अन्य धर्म की लड़कियों को प्रेम के जाल में फंसाकर या उनसे शादी करके उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करता है तो इस पूरी प्रक्रिया को लव जिहाद कहा जाता है। यदि दो अलग-अलग धर्मों के लोग विवाह करते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विवाह किसी प्रलोभन या धोखे से तो नहीं किया गया है। यदि किसी लड़की का धर्म परिवर्तन केवल विवाह के उद्देश्य से किया गया है तो विवाह अमान्य माना जाता है। यह अपराध गैर-जमानती है। इसके अलावा, इस मामले की सुनवाई प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है। इस बीच, उत्तर प्रदेश में कानून के अनुसार, शादी के लिए जबरन धर्म परिवर्तन करने पर पांच साल की जेल और 15,000 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने तलाकशुदा शब्द पर याचिकाकर्ता को लगा दी जमकर फटकार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक विवादास्पद बाल हिरासत विवाद में समीक्षा याचिका खारिज की। साथ ही कानूनी कार्यवाही में तलाकशुदा महिलाओं के नाम के साथ तलाकशुदा शब्द जोड़ने की प्रथा की कड़ी निंदा की। जस्टिस विनोद चटर्जी कौल ने शख्स और उसकी पूर्व पत्नी के बच्चे के कस्टडी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। मामले में जज ने शख्स द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज किया गया। शख्स की समीक्षा याचिका में तर्क देकर कहा कि पिछले फैसले ने उनकी अपील को बिना सुनवाई के प्रारंभिक मुद्दे पर विचार किए ही खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने अपनी पुनर्विचार याचिका में दावा किया, मामले में अपील की स्वीकार्यता पर बहस की गई और मामले को सुरक्षित रखा गया। इस प्रकार, मुख्य अपील पर गुण-दोष के आधार पर बहस नहीं की गई। उन्होंने कहा, अपील पर मामले के गुण-दोष के आधार पर बहस हुए बिना तथा याचिकाकर्ता के वकील की बात सुने बिना ही निर्णय दिया गया, यह तथ्य रिकार्ड और अंतरिम आदेशों से स्पष्ट होता है। हालांकि, अदालत ने दावे का दृढ़ता से खंडन कर कहा कि अपील पर सुनवाई हो चुकी है। एक जून, 2022 को सुनवाई योग्य होने पर मामले को सुरक्षित रखा गया। यह मामला शख्स के मुलाकात के अधिकार को लेकर विवाद से शुरू हुआ था।

तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से मुकदमों में तेजी से कमी आएगी: मेघवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की दिशा में महाराष्ट्र की स्थिति की नई दिल्ली में हुई एक बैठक में समीक्षा की। बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने बताया कि बैठक में आईटी सेक्टर में आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला कोर्ट के मुकदमों में तेजी से कमी आएगी।

ज्ञात रहे कि केंद्र सरकार ने तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 1 जुलाई 2024 से लागू कर दिए हैं। इन कानूनों को लागू करने का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार लाना है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मेघवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के प्रस्तुत किए जाने के समय एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया गया था। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल थे और इसकी रिपोर्ट पेश की जानी थी।

उन्होंने कहा कि जब रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तो खड़गे ने इसके विरोध में सवाल उठाए, जबकि रिपोर्ट में सभी आवश्यक जानकारियां शामिल थीं। इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में कोई अधूरी जानकारी नहीं है और इसमें विरोध करने जैसा कुछ नहीं है। अब आगे इस मामले में क्या बदलाव होते हैं, यह देखने वाली बात होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जेपीसी रिपोर्ट को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह रिपोर्ट विपक्ष की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए तैयार की गई है, जो संसदीय प्रक्रिया का उल्लंघन है। खड़गे ने इस रिपोर्ट को ÷फर्जी÷ बताते हुए इसे पुनः पेश करने की मांग की थी।

महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ के पार

इलाहाबाद (एजेंसी)। भारतीय आध्यात्मिकता के महायज्ञ, महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में धर्मार्थी उत्कृष्टता का प्रमुख प्रतीक बन चुका है। मानवता के इस महोत्सव में अभूतपूर्व स्थिरता दिखाते हुए, प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ मेले में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने अब तक अनगिनत जनों के साथ मिलकर गंगा और त्रिवेणी के पावन संगम में स्नान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मानवता की आत्मिक और सामाजिक सामरस्य का प्रमुख संकेत बताया है। उन्होंने कहा ?कि भारत की सनातन विरासत में समृद्धि और समरसता का प्रतीक महाकुंभ 2025, प्रयागराज में उपस्थित है। उन्होंने मेला की श्रेष्ठता को व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ में जुटे श्रद्धालुओं की आस्था और एकता संगम के पावन जल में अद्वितीय रूप से प्रकट हो रही है। इस अद्वितीय और भव्य महोत्सव के सुशोभित व्यवस्था और सुरक्षा उपायों की सराहना करते हुए, सरकार ने उसे सबसे बड़ा जनसमूह कहकर सम्मानित किया है। महाकुंभ मेला के अनुसरण में उत्तर प्रदेश सरकार, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मी, स्वयंसेवी संगठन और धार्मिक संस्थान सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। अब एक्सीटिंगली, मुख्यमंत्री का अनुमान यह है कि 26 फरवरी तक महाशिवरात्रि तक यह संख्या 55-60 करोड़ तक पहुंच सकती है।

महाकुंभ में फिर भीषण आग, पंडाल जले, देर से पहुंची दमकल की गाड़िया

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के सेक्टर 18 और 19 के बीच शनिवार शाम 6 बजे भीषण आग लग गई। श्रीराम चरित मानस सेवा प्रवचन मंडल के शिविर के पंडाल जल गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की वजह का भी अभी तक पता नहीं चल सका है। मेले में जबरदस्त भीड़ की वजह से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचने में देरी हुई।

आजकल

एआई पर सावधानी जरूरी

पेरिस *में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया। फ्रांस के तत्वावधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह-अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। हालांकि, इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। लेकिन साथ ही एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया। जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है।*

दरअसल, यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलत: भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। नि:संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिक्र है कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रधान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम न करे। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएं। भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लेकिन जरूरी है कि युवाओं के लिये पर्याप्त रोजगार के अवसर भी सृजित हों। भारतीय युवा भी खुद को इस नई चुनौती के अनुरूप तैयार करें।

सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य पहली शर्त

अरुण कुमार दीक्षित

यूनानी दार्शनिक अरस्तू का कहना है कि सुंदरता को मापा जा सकता है। सुंदरता के लिए व्यवस्था समरूपता और निश्चितता प्रमुख है। सुंदर शरीर के रूप को परिभाषित किया है। सुंदरता के लिए गणितीय विज्ञान का भी उपयोग किया। उसका मानना था कला प्रकृति की नकल करती है। अरस्तू ने सौंदर्य के साथ राजनीति और तत्व मीमांसा पर भी कई रचनाएं लिखी है। सौंदर्य मूल्य और कला के बारे में दार्शनिक जांच है। सौंदर्य बोध की प्रथम यात्रा है। सुंदरता नैतिक या शारीरिक आंतरिक सौंदर्य के रूप में व्यक्ति परक है। श्रीमद्भागवद गीता में सौंदर्य को सत्य कहा गया है। सांसारिक सौंदर्य कृष्ण के सर्वोच्च सौंदर्य की एक झलक है, आभा है। कृष्ण परम सत्य की अभिव्यक्ति हैं। दसवें अध्याय का 41वां श्लोक।

सौंदर्य आनंदित करता है। भारतीय दर्शन सौंदर्य को शब्दातीत मानता है। रामायण में सौंदर्य शब्द के स्थान पर रमणीय, शोभन और चारु शब्द आए हैं। वैदिक साहित्य में मनुष्य का मन सहज प्रकृति के दिव्य रूपों में रमण करता है। वैदिक कालीन अनुभूति प्रतीति को सौंदर्य कह सकते हैं। जब हम आनंद मगन हों तब सौंदर्य घटित होता है। जब सूर्य की अरुणाभा के दर्शन होते हैं तब सौंदर्य ही है। जब पक्षियों का कलरव ब्रह्म मुहूर्त में छंद बन जाए तब सौंदर्य समझो। जब आकाश गंगा रात्रि में जगमग उदीप्त दिखे तो सौंदर्य ही होता है। जब नदियां-झरने गीत गाते आगे बढ़ रहे हो तब वह सौंदर्य ही प्रवाहित होता है। जब अथाह जलराशि पर शुभ्र ज्योत्स्ना नर्तन में हो सौंदर्य है। नदी समुद्र में जब लहरें उफान मारती मचलती हैं तब सौंदर्य है। जब फूल खिलते हैं, सौंदर्य ही है। जब अनायास कोई गीत आपके हृदय में उमड़ आए तब वह ऋचा रूप सौंदर्य है। पूर्णिमा और अमावस्या दोनों सौंदर्य हैं। एक तमस का सौंदर्य तो दूसरा दीप्ति का सौंदर्य है। ऋतुराज बसन्त ऋतुओं का सौंदर्य है।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शब्दों में सौंदर्य हमारी धारणा में निहित है। वह कहते हैं- सौंदर्य की विकृत अभिव्यक्ति ही कुरूपता है। कला आत्मविस्मृत आनंद से पोषित होती है। सौंदर्य अनुभूति, भावना कल्पना, संपूर्णता, कला और सौंदर्य शास्त्र की मूल अवधारणाएं हैं। वे न केवल कला को परिभाषित करते हैं, कला और सौंदर्य को जोड़ते भी हैं। कला मानवीय भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

यूनानी दार्शनिक अरस्तू का कहना है कि सुंदरता को मापा जा सकता है। सुंदरता के लिए व्यवस्था समरूपता और निश्चितता प्रमुख है। सुंदर शरीर के रूप को परिभाषित किया है। सुंदरता के लिए गणितीय विज्ञान का भी उपयोग किया। उसका मानना था कला प्रकृति की नकल करती है। अरस्तू ने सौंदर्य के साथ राजनीति और तत्व मीमांसा पर भी कई रचनाएं लिखी है। सौंदर्य मूल्य और कला के बारे में दार्शनिक जांच है। सौंदर्य बोध की प्रथम यात्रा है। सुंदरता नैतिक या शारीरिक आंतरिक सौंदर्य के रूप में व्यक्ति परक है। श्रीमद्भागवद गीता में सौंदर्य को सत्य कहा गया है। सांसारिक सौंदर्य कृष्ण के सर्वोच्च सौंदर्य की एक झलक है, आभा है। कृष्ण परम सत्य की अभिव्यक्ति हैं। दसवें अध्याय का 41वां श्लोक।

रामचरितमानस के बालकांड में तुलसीदास ने राम के सौंदर्य पर लिखा है। उनके (राम) नील कमल और गम्भीर (जल से भरे हुए) मेघ के समान श्याम शरीर मे करोड़ों कामदेवों की शोभा है। लाल-लाल चरण कमल के नखों की (शुभ्र) ज्योति ऐसी मालूम होती है जैसे कमल के पत्तों पर मोती स्थिर हो गए हों।

कालिदास ने मेघदूत में कई प्रकार के सौंदर्य का वर्णन किया है। नदी, पर्वत, वन, मेघ, पुष्पों और पक्षियों के सौंदर्य को अद्वितीय ढंग दिया है। यक्ष की कथा में अभूतपूर्व सौंदर्य की झलक है।

सौंदर्य प्रसाधन का करोड़ों का कारोबार है। सुंदर दिखने की होड़ है। टीवी-सोशल मीडिया पर सुंदर दिखने और बनने के लाखों तरीके बताए दिखाए जा रहे हैं। नकली पलकें हैं। आंखों के बदलते रंग हैं, रंगों भीतर भी कई रंग हैं। नकली बालों को लगाने और रंगने का चलन बढ़ा है। पहले महिलाओं के लिए साज-सज्जा केन्द्र आये। अब पुरुषों के पार्लर बढ़े हैं। सौंदर्य प्रसाधन क्षेत्र में देशी-विदेशी कम्पनियों का भारी मुनाफा है। बात यहीं समाप्त नहीं होती। शरीर को काट कर सुंदर दिखने का चलन यूरोप की तर्ज पर बढ़ा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में प्लास्टिक सर्जरी की मांग बढ़ी है। विज्ञापनों की भरमार है। अन्तस् का सौंदर्य बाजार में नहीं मिलता।

सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य (एम्थ्री) पहली शर्त है। जब हम प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं तो केवल स्वयं एक सुखद अनुभूति में होते हैं। हम बगल में बैठे व्यक्ति का ध्यान सुंदर दृश्य की ओर खींचते हैं कि वह भी सौंदर्य का आनंद ले। सौंदर्य का व्यावहारिक पक्ष यही है कि प्रत्येक व्यक्ति सुंदर वस्तुओं से आकर्षित होता है। चाहे हंसता गुलाब, जूही-चम्पा, लीली और उस पर मंडराती तितलियां, रंगबिरंगी चिड़िया भौंरें हों। मनोरम घाटियां, जगमग सितारे, भव्य पूर्णिमा के चांद का सौंदर्य आकर्षित करता हैं। प्रत्येक सुंदर वस्तु के दो पक्ष होते हैं- जड़ और चेतन। इंद्रियों से समझा जाने वाला रूप आकार और उसके माध्यम से अभिव्यक्त विचार, सौंदर्य अनुभूति, कला सृजन परस्पर संबंधित हैं। सौंदर्य शास्त्र का एक विषय के रूप में अध्ययन (स्टेथिक्स) कहलाता है। इसे स्वतंत्र विषय बनाने वाला 18वीं सदी का जर्मन दार्शनिक बामगार्टन था। भारत में सौंदर्य रस रूप में देखा गया है।

सौंदर्य अनुभूति का सबसे सशक्त स्थल भरत मुनि ने रंगमंच को माना है, जहां प्रत्येक प्रेक्षक भाव विभोर होकर रस अनुभूति करता है। जिन चीजों में आनंद आता है उन सुंदर चीजों को देखकर हृदय बार- बार उसी ओर आकर्षित हो जाता है। उसकी छाया पीछा करती है। गीत फूटने लगते हैं। यह भौतिक आनंद क्षणिक होता है। सौंदर्य विषय पर प्राचीनकाल से चिंतन मंथन है। कला शरीर है। सौंदर्य उसकी आत्मा है। सच्ची कला सौंदर्य का ही मूर्ति रूप होती है। कला बिना पढ़े समझ में आती है।

प्राचीनकाल में मानव ने पर्वतों की गुफाओं में पशुओं सहित भिन्न प्रकार के चित्र उकेरे हैं। यह चित्र हमें उस पाषाण, पुरापाषाण काल की सूचनाएं देते हैं कि तब का मानव कैसा था। चित्र भाषा, मानव आत्मा की भाषा है। सौंदर्य का अस्तित्व भी इसलिए है कि दुनिया में कुरूपता भी है। यही कारण है कि सौंदर्य कुरूपता का परिष्कृत रूप है। गुण की पहचान अवगुण है। विशेष कर पश्चिमी देशों में सौंदर्य की प्रतियोगिताएं होती हैं। विश्व सुंदरी के चुनाव के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता होती है। ऊपर से कुरूप व्यक्ति तब सुंदर दिखाई देगा जब उसके कार्यों में शुभता और लोकमंगल हो। सौंदर्य अनुभूति अन्य अनुभूतियों से भिन्न है।

आंतरिक आनंद की भावना इस अनुभूति में बड़ी होती है। सौंदर्य की प्रशंसा और सम्मोहन इसका चरित्र है। सौंदर्य की अनुभूति को अंग्रेजी में (एम्थी) कहते हैं यह आवश्यक शर्त है। तादात्म्य के अभाव में सौंदर्य को पूरा का पूरा अनुभव नहीं किया जा सकता। गायक कुछ गा रहा है। एक चित्रकार चित्र बना रहा है। अभिनेता अभिनय कर रहा है जो उसके साथ एकात्म हो जाए तभी वह उसके भीतर सौंदर्य की अनुभूति कर सकता है। दुनियाभर में सौंदर्य के प्रति विशेष दृष्टिकोण है। प्रत्येक व्यक्ति का अलग विचार है। आदर्शवादी सौंदर्य को केवल एक हृदय और मस्तिष्क से देखते हैं। वस्तुओं में नहीं। इसके विपरीत यथार्थवादी उसे वस्तुओं में निहित एक ठोस वास्तविकता मानते हैं।

हम सब प्रथम सौंदर्य का दर्शन अपने अंत:करण में हृदय और मानव चक्षुओं से करते हैं। सौंदर्य सापेक्ष होता है। किसी विशेष वस्तु के सौंदर्य के संबंध में कोई सर्वमान्य अधिकृत मत नहीं दिया जा सकता है। कला प्रकृति के सौंदर्य को प्रतिध्वनित करती है। समस्त कला में सौंदर्य तत्व और आनंद तत्व विद्यमान रहता है।

सुप्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक कांट ने सौंदर्य को कामना रहित आनंद बताया है। बौद्ध दर्शन में सौंदर्य दिव्य ज्योति और उज्ज्वल प्रकाश कहा गया है। उसकी अनुभूति मानव को बोध होने पर होती है। भारत में सौंदर्य को मूलत: रस रूप देखा गया है। ऋग्वेद में सौंदर्य को श्रीनाम से कहा गया है। उपनिषदों में भी रस के व्यापक अर्थ हैं। भारत में रस सिद्धांत का श्रेय भरत मुनि को जाता है। वहीं, अभिनव गुप्त भारतीय सौंदर्य दर्शन के विशिष्ट प्रवर्तक माने जाते हैं। आयुर्वेद में रस रसायन के अर्थों में है। दार्शनिक आगस्टीन कहता है ब्यूटी इज यूनिटी संसार तत्त्वत: सुंदर है। वैदिक ऋषि सत्यम शिवम सुन्दरम का समन्वय सौंदर्य में देखते हैं। परम सत्ता के रूप में जानते हैं।

भारतीय संस्कारों की तुलसी को अमेरिकी सुरक्षा का जिम्मा

अरुण नैथानी

बारह फरवरी को भारतीय सरोकारों व हिंदू संस्कारों का मुखर समर्थन करने वाली पूर्व अमेरिकी सांसद तुलसी गबार्ड अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर बन गई। इस नियुक्ति के बाद तुलसी अमेरिका की महत्वपूर्ण व ताकतवर 18 खुफिया एजेंसियों का नेतृत्व करेंगी। बुधवार को अमेरिकी सीनेट ने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित तुलसी की नियुक्ति पर 52-48 के अंतर से मोहर लगा दी। निदेशक के रूप में तुलसी सीआईए,एफबीआई, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी समेत 18 खुफिया एजेंसियों का नेतृत्व और 70 बिलियन डॉलर के बजट का प्रबंधन करेंगी। सेना में कर्नल के रूप में इराक व कुवैत में चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने का तुलसी का अनुभव इस पद पर काम आएगा।

तेरह फरवरी को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका पहुंचे तो तुलसी गबार्ड से उनकी मुलाकात की खबरें देश-विदेश के मीडिया में छायी रही। तुलसी नरेंद्र मोदी की प्रशंसक प्रधानमंत्री बनने से पहले भी रही हैं। उन्होंने राजग सरकार के जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने आदि कदमों का स्वागत किया था। यहां तक कि भारत प्रवास के दौरान एक स्कूल में सफाई अभियान में भाग लेकर उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन का समर्थन किया था।

उल्लेखनीय है कि पहले डेमोक्रेटिक पार्टी से सांसद बनने वाली तुलसी ने 2022 में पार्टी को छोड़कर रिपब्लिकन पार्टी ज्वाइन कर ली थी। कालांतर वे ट्रंप के समर्थन में खुलकर आ गई थी। पद संभालने के बाद उन्होंने अमेरिकी नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी व सुरक्षा के लिये कार्य करने की बात कही है। दरअसल, वर्ष 1981 में अमेरिका के समाओ द्वीप में माइक गबार्ड व कैरोल गबार्ड के घर जन्मी तुलसी उनकी पांच संतानों में शामिल थी। फिर वर्ष 1983 में उनका परिवार अमेरिका के हवाई राज्य में आकर बस गया। कालांतर तुलसी की मां कैरोल ने हिंदू धर्म अपना लिया। तुलसी की परवरिश मिले-जुले धार्मिक परिवेश में हुई क्योंकि जहां पिता कैथोलिक धर्म के अनुयायी थे, वहीं माता हिंदू धर्म को मानने वाली। लेकिन उनके पिता ने हिंदू पूजा पद्धति का विरोध नहीं किया। तुलसी ने किशोर अवस्था में हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया।

उल्लेखनीय है कि हिंदू मान्यताओं से गहरी जुड़ी तुलसी पूर्णत: शाकाहारी हैं। वह चैतन्य महाप्रभु के आध्यात्मिक आंदोलन गौड़िया वैष्णव संप्रदाय का अनुकरण करती हैं। यहां तक कि उनके भाई-बहन भी हिंदू हैं। जिनके नाम भक्ति,जय, नारायण और वृदांवन हैं। उनका मानना है कि भगवद्गीता उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन करती है। वह कर्मयोग में गहरी आस्था रखती है।

दरअसल, अमेरिकी सेना की पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल गबार्ड वर्ष 2013 में वह उस समय सुर्खियों में आई थीं, जब अमेरिकी कांग्रेस में चुने जाने के बाद उन्होंने भगवद् गीता के साथ शपथ ली थी। तुलसी गबार्ड के पिता माइक गबार्ड भी हवाई द्वीप समूह की राजनीति में अपनी खास पहचान रखते हैं। तुलसी ने प्रारंभिक शिक्षा? अपने घर पर ही ली। कालांतर वर्ष 2009 में हवाई पैसिफिक यूनिवर्सिटी से बिजनेस प्रबंधन में स्नातक की डिग्री हासिल की। उन्होंने 16 साल तक सेना में सेवाएं दी। वर्ष 2006 में अशांत इराक में तैनात रहीं। तुलसी 2013 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिये डेमोक्रेट सांसद के रूप में चुनी गई। वे ?अपने इलाके में रिकॉर्ड मतों से जीतती रही हैं। तुलसी भारत के साथ मजबूत अमेरिकी संबंधों की पक्षधर रही हैं।

दो दशकों से अधिक समय के लिये आर्मी नेशनल गार्ड से जुड़ी रही तुलसी ने कालांतर वर्ष 2020 में राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट उम्मीदवार के लिये अपनी दावेदारी पेश की थी। गबार्ड अमेरिकी संसद की पहली हिंदू सदस्य थीं। उन्होंने सरकार की स्वास्थ्य सेवा, मुफ्त कॉलेज ट्यूशन और बंदूकों पर नियंत्रण जैसे मुद्दों का समर्थन किया था। बाद में 2021 में संसद छोड़ने के बाद कई मसलों पर उनके डेमोक्रेटिक पार्टी से मतभेद उत्पन्न हुए। फिर वे खुलकर ट्रंप के समर्थन में आने लगी। वर्ष 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ने के बाद वर्ष 2024 में वे रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हुई।

वर्ष 2015 में तुलसी तब चर्चाओं में आई जब उन्होंने वैदिक रीति-रिवाज से सिनेमैटोग्राफर अब्राहम विलियम्स से विवाह किया। तब उनके विवाह समारोह में तत्कालीन कार्यवाहक भारतीय राजदूत व भाजपा प्रवक्ता राम माधव शामिल हुए थे। माधव ने तब प्रधानमंत्री मोदी का संदेश पढ़ा और गणेश की प्रतिमा उपहार के रूप में दी। तुलसी इस विवाह से कुछ माह पूर्व भारत के दौरे पर आई थी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, कैबिनेट मंत्रियों व सेना प्रमुख से भी मुलाकात की थी। वे वर्ष 2014 से पहले भी मोदी की नीतियों का समर्थन करती रही हैं। दरअसल, तुलसी अपनी हिंदू पहचान को तो मुखरता से स्वीकार करती हैं लेकिन वे खुद को हिंदू राष्ट्रवादी नहीं मानती। उनका मानना रहा है कि उनके समावेशी दृष्टिकोण के चलते ही उन्हें ईसाई, यहूदी, बौद्ध व मुस्लिमों का समर्थन मिलता रहा है।

वहीं वे मानती रही हैं कि अमेरिका में हिंदूफोबिया एक दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है। जिसका अनुभव मैंने कांग्रेस सांसद बनने के प्रत्येक अभियान में महसूस किया। लेकिन अपनी आस्था व विश्वासों के प्रति वह दृढ़ रही हैं। पहली बार संसद पहुंचने पर उन्होंने भगवद् गीता की शपथ ली थी। वे गीता के महत्व पर अक्सर बोलती नजर आती हैं। शपथ ग्रहण के बाद तुलसी ने कहा था कि भगवद् गीता से मुझे प्रेरणा मिलती है कि मैं अपना जीवन अपने देश और दूसरों के लिये अर्पित कर दूं।

आजकल

अब आप का क्या होगा...?

दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार के बीच आम आदमी पार्टी की पराजय का मुद्दा उत्पन्न हुआ है। केजरीवाल की पार्टी ने इस बार 43.57 प्रतिशत वोट और 22 सीटें हासिल कीं, लेकिन इसके बावजूद उसके सामने पार्टी बिखराव का खतरा मंडरा रहा है।

दिल्ली विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जहां बीजेपी के लिए खुशियों का कमल खिला दिया है, वहीं शून्य का हैट्रिक लगाने वाली कांग्रेस को भी आप की हार सुनिश्चित करने का संतोष मिला है। लेकिन जो बात इन चुनाव नतीजों को ऐतिहासिक बनाती है, वह है आंदोलन से निकली पाटी आप का हश्र। उसकी इस हार के विपक्षी ब्लॉक आई.एन.डी.आई.ए. पर पड़ने वाले गंभीर असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

वैसे, लोकतंत्र में किसी पार्टी के लिए चुनाव हारकर सत्ता से बाहर होना कोई अनोखी बात नहीं है। फिर यह भी है कि लगातार दो चुनावों में विपक्ष का लगभग सफाया कर देने वाली आम आदमी पार्टी भले ही सत्ता से बाहर हो गई हो, लेकिन 43.57 प्रतिशत वोट उसे इस बार भी मिले हैं। 22 विधायक भी निर्वाचित हुए हैं उसके। यानी मजबूत विपक्ष की भूमिका में वह अब भी बनी रहेगी। फिर भी इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन नतीजों के बाद पार्टी अब तक के अपने सबसे मुश्किल दौर में आ गई है। आंदोलन से निकली इस पार्टी की ताकत यह थी कि इसने वैकल्पिक राजनीति के सपनों को पंख दिए थे। इसके सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल ईमानदारी और सादगी के पोस्टर बॉय बनकर उभरे थे। लेकिन हाल के दिनों में न केवल केजरीवाल की उस साख पर चोट लगी बल्कि वैकल्पिक राजनीति का पार्टी का दावा भी कमजोर पड़ा।

पार्टी के केंद्र में हमेशा से केजरीवाल ही रहे। पूरी पार्टी को एकजुट रखने वाले सबसे मजबूत फैक्टर भी वही थे। अब न केवल दिल्ली की सत्ता उनके हाथ से चली गई है बल्कि वह खुद अपना चुनाव भी हार गए। उन पर कई मुकदमे भी चल रहे हैं। ऐसे में पार्टी के बिखराव का खतरा मंडरा रहा है। देखना होगा कि पार्टी इस खतरे से कैसे निपटती है। दिल्ली के इन चुनावों में जिस तरह से आप और कांग्रेस आमने-सामने दिखी और विपक्षी गठबंधन के कई प्रमुख घटक दल आप का स्पष्ट रूप से पक्ष लेते दिखे, उसके बाद इस विवाद का बढ़ना लगभग तय है।

बजट वृद्धि से स्वास्थ्य सेवाओं को संबल

राकेश कोछड़

केंद्रीय बजट 2025-26 के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रावधानों से चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, कैंसर के इलाज का सामर्थ्य, अनुबंध कर्मियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत लाने से लेकर चिकित्सा पर्यटन तक को बढ़ावा मिलेगा।

31 जनवरी को संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2024-25 में भारत के स्वास्थ्य व्यय में 2020-21 में 3.2 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2025 में 6.1 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। वर्ष 2022 में भारत का स्वास्थ्य व्यय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8 प्रतिशत रहा। 2015 और 2022 के बीच, रोगी की जेब से होने वाला खर्च 62.6 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत हो गया, जिसमें पीएम-जेएवाई ने निर्णायक भूमिका निभाई। सभी नागरिकों को एक समान स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करने की गर्ज से पिछले साल पीएम-जेएवाई योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को शामिल किया गया। सरकार ने अब इस योजना के तहत अनुबंध पर रखे कामगारों को भी शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम अनौपचारिक क्षेत्र के अनुमानित एक करोड़ श्रमिकों के लिए वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, जिन्हें पहले कोई भी बीमा सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। हालांकि, इसके लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियोक्ता अनुबंधित कारगारों का डाटा साझा करने में पारदर्शी हों।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रस्तावित आवंटन पिछले वर्ष की तुलना में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 99,858.56 करोड़ रुपये हो गया है, इसमें आयुष्मान भारत बुनियादी मिशन को 26 प्रतिशत की वृद्धि मिली है जबकि पीएम-जेएवाई के बढ़ते दायरे को ध्यान में रखते हुए 28.85 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इंटरनेट सुविधा के प्रावधान का लाभ डिजिटल स्वास्थ्य और टेलीमेडिसिन सेवाओं को विस्तार देने में उठाया जा सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को केवल 3.77 प्रतिशत की वृद्धि मिली है। इसके बावजूद सेहत को मजबूत करने और बीमारी की रोकथाम पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने आने वाले वर्ष में मेडिकल कॉलेजों में 10,000 अतिरिक्त सीटें और अगले पांच वर्षों में 75,000 सीटें बढ़ाने की घोषणा की है। पिछले 10 वर्षों में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर सीटें दोगुनी से अधिक बढ़कर क्रमश: 1,18,137 और 73,157 हो गई हैं। हालांकि, अभी भी चिकित्सा शिक्षकों की कमी है और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग शिक्षकों की संख्या और अनुभव के मानदंडों को घटाने में लगा है। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों के बीच भारी असमानता बनी हुई है। नि:संदेह, विभिन्न विशेषज्ञताओं में सीटों की संख्या के लिए एक गतिशील नीति होनी चाहिए। उदाहरणार्थ, भारत को आने वाले वर्षों में कार्डियक सर्जनों की कम और ऑनकोलॉजिस्ट, इंटेंसिविस्ट और ट्रॉमा विशेषज्ञों की अधिक आवश्यकता पड़ेगी। देश को अधिक कुशलता वाली नर्सें, तकनीशियन जैसी अन्य सहायक जनशक्ति की भी आवश्यकता पड़ेगी। सरकार ने कैंसर मरीजों की मदद के वास्ते बड़ी पहल करने की योजना बनाई है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट-2020 के अनुसार, नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करना चाहती है, जिसमें 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ऐसे केंद्रों का उपयोग आमतौर पर कीमोथेरैपी के लिए किया जाता है। यह सुविधा कैंसर उपचार तक रोगी की पहुंच आसान करने में सहायक होगी, जो फिलहाल केवल बड़े अस्पतालों या मेडिकल कॉलेज जैसे उच्च केंद्रों पर उपलब्ध है। इस पहल के लिए पीपीपी मोड का उपयोग करने का प्रस्ताव है। हालांकि, प्रशिक्षित जनशक्ति, उन्नत इमेजिंग और कैंसर डायग्नोस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे की कमी है।

मुकेश अंबानी की झोली में आया 45 साल पुराना ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ने 45 साल पुराने ब्रांड का अधिग्रहण कर लिया है। इस ब्रांड का नाम वेल्वेट है, जो तमिलनाडु में स्थित है। रिलायंस रिटेल ने यह अधिग्रहण रोजमर्रा के घरेलू सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के जरिए किया है। इस अधिग्रहण से रिलायंस कंज्यूमर की पर्सनल केयर सेग्मेंट में उपस्थिति मजबूत हुई है।

क्या कहा कंपनी के सीईओ ने

कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) केतन मोदी ने कहा कि अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का लक्ष्य शैंपू के वेल्वेट ब्रांड को पुनर्जीवित करना है। बहुत जल्द पर्सनल केयर सेग्मेंट में अलग-अलग तरह के

उत्पाद पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा- रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की सोच में से एक भारतीय विरासत ब्रांड का अधिग्रहण करना है। हमने कैम्पा और फिर रावलगांव शुगर (पान पसंद और कॉफी ब्रेक के प्रवर्तक) का अधिग्रहण किया। हम वेल्वेट का अधिग्रहण करके खुश हैं। हमारा इरादा ब्रांड (वेल्वेट) को पुनर्जीवित करना है।

डील की डिटेल

यह रणनीतिक सौदा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड को वेल्वेट के लिए एक स्थायी लाइसेंस प्रदान करता है, जो एक मजबूत आधार के साथ भविष्य के व्यवसायों के निर्माण के लिए रिलायंस की प्रतिबद्धता से मेल खाता है, साथ ही भारत के पोषित विरासत ब्रांडों को पुनर्जीवित भी करता है। शुरुआत में रिलायंस कंज्यूमर तमिलनाडु में वेल्वेट ब्रांड के तहत शैंपू की एक सीरीज पेश करेगी और बाद में अन्य बाजारों में विस्तार करेगी। केतन ने बताया कि कंपनी शुरू में शैंपू बनाएगी और बाद में वेल्वेट ब्रांड के तहत साबुन और अन्य उत्पाद लाएगी।

1980 में हुआ था लॉन्च

वेल्वेट की बात करें तो साल 1980 में सुजाता बायोटेक के संस्थापक सीके राजकुमार द्वारा लॉन्च किया गया था। अपने पिता आर चिन्नीकृष्णन के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर राजकुमार ने पीवीसी पिलो पाउच में शैंपू पैकेजिंग की अवधारणा को आगे बढ़ाया। उनके इनोवेशन ने एफएमसीजी उद्योग को बदल दिया। 1980 के दशक की शुरुआत में वेल्वेट ने वोल्टास के साथ मार्केटिंग डील की। बाद में राजकुमार ने विपणन और वितरण के लिए गोदरेज समूह के साथ साझेदारी की, जिससे वेल्वेट एक क्षेत्रीय ब्रांड से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नाम बन गया।

सस्ती हुई अमेरिकी शराब

होगा करोड़ों डॉलर का नुकसान... ट्रंप-मोदी मीटिंग से पहले हुआ था ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ लगाने की धमकी के बीच भारत सरकार ने बर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 100 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही कई तरह की वाइन पर भी टैक्स कम किया गया है। ताजे अंगूरों से बनी वाइन, वर्माउथ और कुछ दूसरे फरमेंटेड बेवरेजेज पर भी अब इम्पोर्ट ड्यूटी घटाकर 100 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह 80 प्रतिशत अल्कोहल वाले शुद्ध एथिल अल्कोहल पर भी यही दर लागू होगी। पिछले वित्तीय वर्ष में इन सभी

उत्पादों का कुल आयात लगभग 1 अरब डॉलर का था। यानी सरकार को इम्पोर्ट ड्यूटी के रूप में करोड़ों डॉलर मिले थे। लेकिन अब सरकार को इससे नुकसान होगा।

बर्बन व्हिस्की की बात करें तो इस पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 50 प्रतिशत तय की गई है। इसके अलावा इस पर 50 प्रतिशत का एग्रीकल्चर सेस भी लगेगा। बर्बन व्हिस्की अमेरिका के केंटुकी राज्य में बनाई जाती है। इसको बनाने में कम से कम 51 प्रतिशत मक्के का यूज किया जाता है। पिछले साल बर्बन से जुड़ी दो टैरिफ लाइन्स का आयात लगभग 2.6 मिलियन डॉलर था जबकि अमेरिका से इसका आयात 0.8 मिलियन डॉलर था। आयात शुल्क में यह कटौती गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप की मुलाकात से कुछ घंटे पहले नोटिफाई की गई। इस मीटिंग में सबसे ज्यादा चर्चा टैरिफ पर ही हुई।

अमेरिका की नाराजगी

1 फरवरी को पेश बजट में सरकार ने कई उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती की थी। इनमें हार्ले डेविडसन जैसी महंगी बाइक भी शामिल थीं। यह कदम टैरिफ पर बढ़ते दबाव से बचने के लिए उठाया गया था। लेकिन इसके बावजूद ट्रंप ने मीडिया से बातचीत के दौरान हार्ले डेविडसन का उदाहरण भी दिया था। मतलब साफ है कि टैक्स कम करने के बाद भी अमेरिका खुश नहीं है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके सामान पर कम टैक्स लगाए ताकि ज्यादा लोग खरीदें और अमेरिकी कंपनियों को फायदा हो।

कब आया नोटिफिकेशन

मोदी के साथ मीटिंग से पहले ट्रंप ने दोहराया कि वह रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे ताकि अमेरिकी उद्योग प्रतिस्पर्धी बना रहे। यानी जो देश अमेरिकी सामान पर जितना टैरिफ लगाते हैं, उन देशों पर अमेरिका उतना ही टैरिफ लगाएगा। मोदी से मिलने से ठीक पहले ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है। मतलब साफ है कि अमेरिका जैसे को तैसा वाला टैक्स लगाएगा ताकि अमेरिकी कंपनियों को नुकसान न हो। ट्रंप ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाता है। व्हिस्की और अन्य अल्कोहलिक बेवरेजेज पर भारत का टैरिफ ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड और अमेरिका जैसे कई देशों के लिए चिंता का विषय रहा है। भारत ने व्यापार समझौते के तहत ऑस्ट्रेलियाई वाइन पर शुल्क कम किया है।

टैनला प्लेटफॉर्म्स ने 11 साल में दिया 13,340 प्रतिशत रिटर्न

साल 2014 में 3.90 रुपये थी इसके एक शेयर की कीमत

शुक्रवार को कंपनी के शेयर का बंद भाव 524.15 रुपये था

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ समय से लगातार गिरावट आ रही है। ऐसे में निवेशकों का शेयर मार्केट से मोहभंग होने लगा है। लेकिन यहां हम एक ऐसे चवन्नी शेयर की बात कर रहे हैं जिसने पिछले 11 साल में अपने निवेशकों 13,340 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अगर आपने साल 2014 में टैनला प्लेटफॉर्म्स में एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी वैल्यू 1.34 करोड़ होती। हालांकि हाल के वर्षों में इसमें गिरावट आई है। तीन साल में यह 64 फीसदी से ज्यादा गिरा है जबकि पिछले एक साल में इसमें 46 प्रतिशत गिरावट आई है। 2014 में इसकी कीमत 3.90 रुपये थी और शुक्रवार को इसका बंद भाव 524.15 रुपये था।

हैदराबाद की सीपीएएस कंपनी के शेयरों ने पिछले पांच साल में 550 फीसदी रिटर्न दिया है। इस शेयर का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,086.05 है जो इसने पिछले साल 15 जुलाई को छुआ था। लेकिन इस साल 12 फरवरी को यह 515.90 रुपये पर आ गया था जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। अभी इसका मार्केट कैप 7,055.97 करोड़ रुपये है। जानकारों का कहना है कि दिसंबर 2025 तक इसकी कीमत 1090 रुपये तक पहुंच सकती है जो इसकी मौजूदा कीमत से दोगुना से भी अधिक है।

बाजार का हाल

घरेलू शेयर बाजार में लगातार 8 दिनों से गिरावट आई है। इससे निवेशकों को 25.31 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस दौरान विदेशी पूंजी निकासी, उम्मीद से कम तिमाही आय और वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर अनिश्चितता की चिंताओं के बीच बीएसई सेंसेक्स में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। लगातार आठ सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 2,644.6 अंक यानी 3.36 प्रतिशत गिरा, तथा एनएसई निफ्टी 810 अंक यानी 3.41 प्रतिशत नुकसान में रहा। इससे बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 25,31,579.11 करोड़ रुपये घटकर 4,00,19,247 करोड़ रुपये रह गया।

महारत्न कंपनी को ताबड़तोड़ मिल रहे ऑर्डर, बिकवाली मोड में शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को 6700 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी (एससीसीएल) ने यह ऑर्डर तेलंगाना में 800 मेगावाट की तापीय बिजलीघर स्थापित करने के लिए दिया है। इस महारत्न कंपनी ने बताया कि डील के तहत बीएचईएल के कार्यक्षेत्र में डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, आपूर्ति, निर्माण और कमीशनिंग के साथ-साथ सिविल वर्क शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि ऑर्डर 6,700 करोड़ रुपये का है।

तेलंगाना में बढ़ेगा दबदबा- इस नए कॉन्ट्रैक्ट के साथ बीएचईएल की तेलंगाना में उपस्थिति मजबूत होगी। बता दें कि बीएचईएल देश भर में 1,70,000 मेगावाट से अधिक उपयोगिता बिजली क्षमता स्थापित करके देश की ऊर्जा सुरक्षा और बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नागपुर में भी मिला ऑर्डर- हाल ही में बीएचईएल को नागपुर में 1320 मेगावाट के कोराडी अत्याधुनिक तापीय बिजलीघर की दो इकाइयां स्थापित करने के लिए महाजेनको से ऑर्डर मिला है। इस परियोजना में बीएचईएल को संयंत्र के निर्माण से लेकर उसकी स्थापना और चालू करने तक कई पहलुओं पर काम करने होंगे। इसके दायरे में उन्नत, उच्च दक्षता वाले उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की आपूर्ति भी शामिल है। बीएचईएल ने कोराडी अत्याधुनिक तापीय बिजलीघर की इकाई 11 और 12 की स्थापना के लिए घरेलू प्रतिस्पर्धी बोली के तहत यह ऑर्डर हासिल किया। इसके तहत 660-660 मेगावाट की दो इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

जेईई मेन रिजल्ट 2025

भोपाल शहर में फिजिक्सवाला के 5 छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए

भोपाल। एजुकेशन कंपनी फ़िजिक्सवाला (पीडब्लू) ने जेईई मेन 2025 सेशन 1 परीक्षा में अपने नतीजे घोषित किये हैं , जिनमें से एक ने गुजरात से 100 पर्सेंटाइल हासिल किया है 7 साथ ही 612 से अधिक छात्रों ने 99.5 पर्सेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, 1359 से अधिक छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, 3548+ छात्रों ने 98 पर्सेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, और परिणामों की गिनती अभी भी जारी है।

भोपाल में फिजिक्सवाला के 5 छात्रों ने जेईई मेन सेशन 1 2025 के परिणामों में 99 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वीर मनावत (99.89), आदित्य यादव (99.81), और अरुन चौहान (99.49) भोपाल में पीडब्लू के शीर्ष 3 छात्रों में शामिल थे। चार राज्य टॉपर्स अपनी शानदार उपलब्धियों के साथ इस सूची में सबसे आगे हैं 7 गुजरात के शिवेन विकास तोशनीवाल ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किए, मिजोरम के इशांत वर्मा ने 99.57 पर्सेंटाइल हासिल किए, अरुणाचल प्रदेश के प्रणय कुमार रॉय ने 99.38 पर्सेंटाइल हासिल किए और जम्मू-कश्मीर के कामरान बिलाल भट ने 99.89 पर्सेंटाइल हासिल किए, जो पीडब्लू के मॉक टेस्ट में उनके प्रदर्शन से काफी मेल खाता है 7 इन छात्रों ने क्व्हु के ऑफ़लाइन सेंटरों (विद्यापीठ और पाठशाला) या फिर ऑनलाइन बैचों (अर्जुन छ्श्वश्च और लक्ष्य छ्श्वश्च) से पढ़ाई की थी। यह पीडब्लू के डिजिटल और फिजिकल लर्निंग प्लेटफॉर्म के एकीकृत दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिससे छात्रों को सर्वोत्तम तैयारी का लाभ मिला।

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी से सैद्धांतिक मंजूरी मिली

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई मुख्यालय वाली देशव्यापी पावर सॉल्यूशन प्रोडक्ट कंपनी प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स लिमिटेड ने आज घोषणा की कि उसे बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपना आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) लाने की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस आईपीओ में ?10 फेस वैल्यू के 1,60,00,000 इक्विटी शेयरों का ताज़ा इश्यू शामिल है और इसे बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीस लिमिटेड इस निर्गम की रजिस्ट्रार है।

डीआरएचपी के अनुसार, कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त धन का उपयोग विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशील पूंजी, कर्ज के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान, इनऑर्गनिक विकास के मौके हासिल करने, रणनीतिक पहलों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की योजना बना रही है। 2008 में स्थापित, ठाणे-मुख्यालय वाली यह कंपनी महाराष्ट्र राज्य में तीन विनिर्माण सुविधाओं के अलावा भारत के 17 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 22 शाखा कार्यालयों और 2 स्टोरेज सुविधाओं के नेटवर्क का संचालन करती है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने प्रख्यात प्रिंटमेकर देवराज डाकोजी को 'क्रिटिक्स च्वाईस अवार्ड' से सम्मानित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने प्रख्यात प्रिंटमेकर देवराज डाकोजी को प्रिंटमेकिंग की दुनिया में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'डब्लूयूडी क्रिटिक्स च्वाईस अवार्ड' से सम्मानित किया है। वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के कुलपति प्रोफेसर (डाक्टर) संजय गुप्ता द्वारा दिया गया यह सम्मान डाकोजी की असाधारण प्रतिभा और प्रिंटमेकिंग के क्षेत्र को लेकर उनके समर्पण को पहचान दिलाता है और साथ ही समकालीन कला में एक प्रमुख हस्ती के तौर पर उनकी प्रतिष्ठा बढ़ाता है। सम्मान समारोह में एक्जिबिट320 की निदेशक सुश्री रसिका कजारिया भी उपस्थित थीं।हैदराबाद में जन्मे डाकोजी का अपने पिता के लिए जड़ी बूटियों को चुनने के उनके शुरुआती अनुभव ने उन्हें कला के प्रति प्रेरित किया जिससे प्रकृति उनका मुख्य विषय बन गई। छ्पाई के कार्यों में उन्हें भारतीय संस्कृति से प्रेरणा मिली जिससे प्रकृति और पशुउनके मूल स्वभाव में समाहित हो गए। उनके उल्लेखनीय कार्यों में पाषाण सीरीज शामिल है जो उनके गृहनगर से प्रेरित है और सैन डियागो में 1985 में एक मोर के साथ उनके अनुभव से प्रभावित एक सीरीज है। दृश्य कलाओं के लिए डब्लूयूडी क्रिटिक्स च्वाईस अवार्ड्स की शुरुआत वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन द्वारा देश में विभिन्न शैलियों में दृश्य कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें सशक्त करने के लिए की गई। ये अवार्ड्स स्थापित कलाओं में असाधारण कलात्मक योगदान को सम्मान देता है और उभरते कलाकारों को दिल्ली एनसीआर में प्रमुख कला वीथिकाओं में अपनी रचनाओं को प्रस्तुत करने के लिए उन्हें पहचान दिलाता है।

एचडीएफसी बैंक ने जोड़ों को पैसे के बारे में प्रोत्साहित करके वेलेंटाइन डे मनाया

मुंबई, एजेंसी। वेलेंटाइन डे के अवसर पर भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने फाइनेंशियली एवर आफ्टर जोड़ों को वित्तीय मामलों के बारे में शिक्षित करने के लिए एक अनूठा अभियान शुरू किया है। यह अभियान युवा जोड़ों को अपने पैसे को एक साथ प्रबंधित करने के विचार से परिचित कराता है - आधुनिक समय के रिश्तों का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाने वाला पहलू। यह जेन जेड और युवा मिलेनियल जोड़ों को पैसे के मामलों को एक साथ नेविगेट करने के लिए ज्ञान और उपकरणों के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है। बैंक ने एक समर्पित माइक्रोसाइट https://www.money-madeeasy.org/ -बनाई है।

बिरला सेल्यूलोज और एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप की नई पार्टनरशिप -टेक्सटाइल इंडस्ट्री में ग्राफीन टेकनीक की ओर बड़ा कदम

मुंबई, एजेंसी। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सेल्यूलोसिक फाइबर्स डीविशन , बिरला सेल्यूलोज को यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि उसने एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप कंपनियों - आरएसडब्लूएम लिमिटेड और टीएससी लिमिटेड के साथ जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट किया है । इस पार्टनरशिप का उद्देश्य टेक्सटाइल इंडस्ट्री में ग्राफीन टेक्नीक को डेवलप करना और नए इनोवेशन लाना है , जिससे कपड़े और अधिक मजबूत, टिकाऊ और बेहतरीन बन सकें । ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सेल्यूलोसिक फाइबर्स डिवीजन , बिरला सेल्यूलोज ने एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप की मुख्य कंपनियों - आरएसडब्लूएम लिमिटेड और टीएससी लिमिटेड के साथ 14 फ़रवरी, 2025 को एक खास समझौता किया है । इस पार्टनरशिप का उद्देश्य टेक्सटाइल इंडस्ट्री में ग्राफीन टेक्नीक कि ग्रोथ और इनोवेशन को नई दिशा में बढ़ावा देना है । यह पार्टनरशिप टेक्सटाइल इंडस्ट्री में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा और टेक्सटाइल प्रोडक्शन को ज्यादा टिकाऊ, बेहतर और आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । ग्राफीन एक खास सामग्री है, जिसमें कार्बन के एटम हेक्सागोनल लैटिस में जुड़े होते हैं। यह बेहद मजबूत, हल्का और बिजली का अच्छा संवाहक होता है। इसकी खासियत के कारण इसका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी, कोटिंग्स, कंपोजिट, बिल्डिंग मटेरियल और टेक्सटाइल में किया जाता है। इस पार्टनरशिप के तहत- टीएससी लिमिटेड बिरला सेल्यूलोज को ग्राफीन डेरिवेटिव की आपूर्ति करेगा । बिरला सेल्यूलोज टीएससी के इन ग्राफीन डेरिवेटिव को विस्कोस फाइबर के प्रोडक्शन में शामिल करेगा।

एचसीएल टेक ने आमंत्रित किए आवेदन

नोएडा, एजेंसी। दुनिया की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी एचसीएल टेक ने अपने टेकबी कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित करने की घोषणा की है। इस खास प्रोग्राम की मदद से छात्रों को कक्षा 12 के बाद अपना करियर शुरू करने का बेहतरीन मौका मिलेगा। इस प्रोग्राम में पूरे भारत के छात्र शामिल हो सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को एचसीएल टेक के साथ 12 महीने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, उन्हें कंपनी में फुल-टाइम नौकरी की पेशकश की जाती है. इसी के साथ ही वे बीआइटीएस पिलानी, आइआइआइटी कोट्टायम, सास्ट्र यूनिवर्सिटी और एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पार्ट टाइम उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। गणित या व्यावसायिक गणित की पृष्ठभूमि वाले छात्र तकनीकी भूमिकाओं के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

सार-समाचार

अपराधों की रोकथाम को लेकर पुलिस ने किया फ्लेग मार्च

राजगढ़ (नि.सं.)। कस्बे में अपराधों की रोकथाम को लेकर थाना प्रभारी राजेश मीणा के नेतृत्व में शनिवार को प्रमुख बाजारों में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। थाना प्रभारी के राजेश मीणा ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर शांति भंग करने वाले लोगों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने लोगों को नियमों के बारे में भी जानकारी दी। मीणा ने बताया कि विश्वास के मध्य कस्बे में अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर धारा सिंह, सहित पुलिस के सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

टॉक शो का हुआ आयोजन

अलवर (का.सं.)। आर्य कन्या संचालन समिति द्वारा संचालित आर्य पब्लिक स्कूल मालवीय नगर में 15 फरवरी को कक्षा एलकेजी से द्वितीय तक के विद्यार्थियों के बीच flora and fauna की थीम पर talk show आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं ने विविध विषयों जैसे फल-सब्जी, पशु- पक्षी आदि आदि पर तुरंत दिए गए विषय पर आत्मविश्वास का परिचय देते हुए अंग्रेजी में धारा प्रवाह वाचन किया। बच्चों के आंतरिक कौशल को निखारने के उद्देश्य से समय-समय पर बच्चों को प्रतियोगिता के माध्यम से प्रेरित किया जाता है। निर्णायक समिति द्वारा बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार द्वारा पुरस्कृत किया गया।

ओसवाल स्कूल में मातृ-पितृ दिवस कार्यक्रम मनाया

अलवर (का.सं)। श्री जैन षिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री ओसवाल जैन उ. मा. विद्यालय व ओसवाल गर्ल्स पब्लिक स्कूल में मातृ-पितृ दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया । इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों ने माता-पिता के सम्मान में अनेक प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किये । सम्मान की इस कड़ी में बच्चों ने अपने माता-पिता को तिलक लगाकर पुष्प गुच्छ भेंट कर व पाद प्रक्षालन करके आर्षीवाद लिया। बच्चों द्वारा माता-पिता का पाद प्रक्षालन करते समय सभी भाव विभोर हो गए और अश्रुधारा बहने लगी। अंत में विद्यालय प्रधानाचार्या मोना दुबे ने बच्चों के जीवन में माता-पिता का आदर एवं संस्कार बच्चों को समझाया । मंच संचालन श्रीमती वंदना त्यागी ने किया।

सहज ध्यान योग शिविर का आयोजन

अलवर (का.सं.)। शहर के बी.एल.पब्लिक सी. से. स्कूल नयाबास, अलवर के तत्वावधान में सहज योग ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। परम पू. माता निर्मला देवी द्वारा प्रणित सहयोग ध्यान पद्धति को बहन सुश्री शीतल ने बडे ही सहज एवं सरल प्रक्रिया द्वारा सहज साधना का विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उपरोक्त आयोजन को सफल बनाने के लिए बी.एल. पब्लिक विद्यालय के निदेशक सुनील बिल्खा ने सहज ध्यान योग शिविर के समस्त सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए तीन बसें रवाना

नारायणपुर (नि.सं.)। कस्बे से शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ के लिए श्रद्धालुओं से भरी तीन बसें रवाना हुईं। पीर संज्यानाथ आसण के महंत विवेकनाथ महाराज ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। इन बसों में कुल 137 श्रद्धालु सवार थे, जो तीन दिन की यात्रा के बाद 18 फरवरी को वापस लौटेंगे। महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। नारायणपुर से एक और बस पटेल ट्रेवल्स द्वारा 19 फरवरी को प्रयागराज के लिए रवाना होगी। इच्छुक श्रद्धालु पुरुषोत्तम मार्केट स्थित ऑफिस में संपर्क कर टिकट बुक करा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष	दिन परेशानी वाला हो सकता है और आपको हर मामले में सावधानी से काम करने की सलाह है।	**तुला**	आज लाभ होगा और धन में वृद्धि के योग हैं। आप किसी तीर्थयात्रा का प्लान बना सकते हैं।
वृषभ	धन लाभ के योग बन रहे हैं। ऑफिस के लोगों पर आंख बंद करके भरोसा न करें।	**वृश्चिक**	दिन सुधार करने में बीतेगा। किसी प्लान में कुछ बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।
मिथुन	आज दिन लाभदायक रहेगा। आप करियर में कोई बड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।	**धनु**	फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए। आप किसी मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं।
कर्क	आज दिन सफलता से भरा रहेगा। आप नए प्रॉजेक्ट पर ध्यान देंगे और आपका मन खुश होगा।	**मकर**	आज करियर में लाभ होगा और जिन कामों में आप अपना दिमाग लगाएंगे।
सिंह	आज करियर में लाभ के योग बन रहे हैं। अगर आप यात्रा की योजना बना रहे हैं।	**कुंभ**	कार्यक्षेत्र का माहौल अच्छा रहेगा। रूखा व्यवहार करने वाला व्यक्ति नजरों से दूर रहेगा।
कन्या	आज लाभ होगा और अगर आप मन से किसी काम को करेंगे तो सफलता मिलेगी।	**मीन**	मुश्किल हालात में मन परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का विश्वास जीतना जरूरी होगा।

विधिक शिविर में अधिकारों एवं नशीली दवाओं के उपयोग और उन्मूलन की कानूनी सेवाएं को लेकर किया जागरूक

अलवर (का.सं.)

तालुका विधिक सेवा समिति अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति गोविंदगढ़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तालडा गोविंदगढ़ में शुक्रवार को एवं रा.उ.मा.विद्यालय मालपुर गोविंदगढ़ में आज शनिवार को विधिक जागरुकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के निर्देशानुसार 8 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन एवं प्रचार प्रसार हेतु मेगा विधिक जागरूकता शिविर में नालसा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पीड़ितों और नशीली दवाओं के खतरे के उन्मूलन के लिए कानूनी सेवाएं योजना बच्चों के माध्यम से समाज में जागरूकता लाने पर जोर दिया। पीएलवी अनिल कुमार ने बताया कि किसी नशीली वस्तु का व्यापार करना जुर्म है। इसके लिए कठोर सजा और जुर्माना भी वसूला जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति नशे का शिकार होता है तो नशा उपचार केंद्र में इलाज कराने की नि:शुल्क सुविधा है। नशा मुक्ति और नशा उन्मूलन के लिए नई पीढ़ी को नशे की लत से दूर रहने की सलाह दी व कहा कि ड्रग का उपयोग समाज और मानव जीवन के लिए अभिशाप बन गया है नशा हमारे मन मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालता है हमारे व्यवहार को चिड़चिड़ा बना देता है। नई पीढी छात्र जीवन में ही नशा की लत का शिकार हो रही है। इससे मानसिक समस्याएं बढ़ती जा रही है। नशा मुक्त समाज बनाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। वहीं रा.उ.मा. विद्यालय मालपुर में नालसा एसिड पीड़ितों के लिए कानूनी सेवाएं योजना 2016 इलाज एवं पुनर्वास सुविधा व मुफ्ती कानूनी सहायता दी जाएगी। बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं, संरक्षण के लिए विधिक सेवाओं, राष्ट्रीय लोक अदालत पर जानकारी दी। इस दौरान पीएलवी अनिल कुमार, मालपुर में प्रिंसिपल धर्मवीर पाराशर, नरेश सारस्वत, महेंद्र चौधरी सहित विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थी, वहीं तालडा में भी प्रिंसिपल रजनी कोली,नारायण शर्मा, रामसिंह समस्त स्टाफ विद्यार्थी मौजूद रहें।

खुला सत्र कार्यक्रम एवं एसयूपीडब्ल्यू कैम्प का उद्घाटन

अलवर (का.सं.)

आर्य महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मालवीय नगर, अलवर, राज ऋर्षि भर्तृहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर द्वारा निर्धारित बी.एड. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमानुसार सत्र 2024-25 में खुला सत्र कार्यक्रम/एसयूपीडब्ल्यू कैम्प का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जैन बीएड कॉलेज, अलवर की प्राचार्य एवं डीन शिक्षा संकाय राज ऋषि भर्हतरी मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर डॉ. अनीता सोनी ने उपस्थित होकर अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सी.पी. पालीवाल के द्वारा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. अनीता सोनी के स्वागत से हुई, प्राचार्य डॉ. सी.पी. पालीवाल ने पारंपरिक रीति से पीतवस्त्र पहनाकर व छात्राध्यापिकाओं द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का अगला चरण महाविद्यालय सभागार में दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ, जिसमें डॉ. अनीता सोनी, प्राचार्य डॉ. सी.पी. पालीवाल, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा एवं डॉ. अनुराधा पालीवाल ने सम्मिलित रूप से दीप जलाकर ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित की। इसके पश्चात शिवांगी मिश्रा, नेहा तिवारी और उनके समूह ने ईशवंदना गीत प्रस्तुत किया, जिसने पूरे सभागार को आध्यात्मिक शांति से भर दिया। स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति ने अतिथियों का मन मोह लिया। डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा को बताते हुए कहा कि खुला सत्र कार्यक्रम छात्राध्यापिकाओं में मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव को बढ़ावा देता है। यह कार्यक्रम समाज कल्याण की भावना को सशक्त करता है और छात्राध्यापिकाओं को समाज के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। स्वामी दयानंद सरस्वती सदन का प्रतिनिधित्व दिव्या सोनी ने किया, स्वामी विवेकानंद सदन का परिचय खुशी गुर्जर ने दिया, अरविंद सदन का प्रतिनिधित्व मनीषा मीणा ने किया, रवींद्रनाथ टैगोर सदन का परिचय प्रीति कुमारी ने और महात्मा गांधी सदन का प्रतिनिधित्व शिवांगी मिश्रा ने किया। सभी छात्राध्यापिकाओं ने अपने सदन के उद्देश्यों और शिक्षण प्रक्रिया में उनकी प्रासंगिकता को प्रभावी ढंग से समझाया। मुख्य अतिथि डॉ. अनीता सोनी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में छात्राध्यापिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि, उक्त कार्यक्रम छात्राध्यापिकाओं में समाजसेवा, सहयोग और नेतृत्व क्षमता को विकसित करता है। प्राचार्य डॉ. सी.पी. पालीवाल ने मुख्य अतिथि डॉ. अनीता सोनी का आभार और धन्यवाद किया तथा छात्राध्यापिकाओं को उद्बोधित करते हुए कहा कि, महाविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम छात्रायापिकाओं में रचनात्मकता, समाजसेवा और नैतिक मूल्यों का विकास करने का एक सशक्त माध्यम है। मंच संचालन प्रवक्ता डिंपल गोयल ने किया। कार्यक्रम के प्रवक्ता प्रभारी डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा व डॉ. ब्रह्म दत्त शर्मा के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय में 17 फरवरी को सामुदायिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्राध्यापिकाएं विभिन्न क्षेत्रों में जाकर समाज कल्याण से संबंधित गतिविधियों में भाग लेंगी और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगी।

जल संचय सिस्टम का हुआ विधिवत शुभारंभ

अलवर (का.सं.)

शीला रानी अरोड़ा बालिका माध्यमिक विद्यालय आदर्श विद्या मंदिर स्कीम नंबर 4 पर जल संचय सिस्टम का विधिवत शुभारंभ रोटरी क्लब अलवर फोर्ट के राहुल श्रीवास्तव, शंकर लाहा, रवि शर्मा, संजय गुप्ता के सानिध्य में पट्टिका का अनावरण कर किया गया।

इस अवसर पर रोटरी क्लब अलवर के अध्यक्ष अर्पित विजय, सचिव मृणाल गागल कोषाध्यक्ष अमित जैन अन्य पदाधिकारी वरुण गुप्ता, पुनीत जैन, श्रेयांक रावत, नितिन गर्ग, मधुरम अग्रवाल सुनील सिंघल की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर भारत माता एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन राहुल श्रीवास्तव एवं आदर्श शिक्षा समिति के अध्यक्ष घासीराम यादव एवं अर्पित विजय एवं अशोक आहूजा ने किया। आयोजन के अवसर पर विद्यालय की अध्यक्ष डॉ चंद्रावती चौधरी व्यवस्थापक जगदीश पवार, प्रधानाचार्य श्रीमती राजकौर कोषाध्यक्ष नेमीचंद जैन सहित विद्यालय स्टाफ एवं बालिकाओं ने तिलक कर माल्यार्पण द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। बालिकाओं द्वारा मंत्र उच्चारण, अभिनंदन गीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुत किए गए अतिथियों का स्वागत चंद्रावती चौधरी ने किया जबकि आभार संस्था प्रधान ने व्यक्त किया इस अवसर पर 10 बालिकाओं को अध्ययन हेतु क्लब के पदाधिकारी द्वारा गोद लिया गया।

मुख्य अतिथि राहुल श्रीवास्तव द्वारा संस्था के मेधावी बालिकाओं के लिए रुपए 10000 की राशि एवं मृणाल गगल द्वारा सेनेटरी मशीन सहित अन्य योगदान देने की घोषणा की गई। मुख्य अतिथि राहुल श्रीवास्तव ने विद्यालय शिक्षण कार्य, अनुशासन एवं संस्कार की प्रशंसा की गई। रोटरी क्लब अलवर फोर्ट के अध्यक्ष अर्पित विजय ने जानकारी दी के पिछले वर्षों में शहर के अनेक संस्थाओं में जल संचय संकल्प अभियान अंतर्गत अनेक कार्य कराए गए हैं तथा आदर्श विद्या मंदिर स्कीम नंबर 4 एवं केशव कृपा भवन पर भी यह कार्य कराया जा रहा है। प्रेरक अशोक आहूजा ने पदाधिकारी के प्रति साधुवाद प्रकट किया।

सार-समाचार

नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर 16 को

अलवर (का.सं.)। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से उपचार मेडिसन के सहयोग से 16 फरवरी रविवार को पुरुषार्थी धर्मशाला विवेकानंद चौक पर एक दिवसीय नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन मुखय चिकित्सा ओर स्वास्थ्य अधिकारी डा. योगेन्द्र शर्मा सुबह साढ़े नौ बजे करेंगे। शिविर में जिले के नामी आयुर्वेद चिकित्सक ओर एकयूप्रेशर चिकित्सक मरीजों का इलाज करेंगे ओर दवाइयां भी दी जाएंगी। इस अवसर पर रकतचाप व मधुमेह सहित अन्य जांच नि:शुल्क होंगी। नेक कमाई के मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि शिविर में जाने माने आयुर्वेद चिकित्सक डा.पवन शेखावत, डा.मुरारी लाल भारद्वाज, डा. बिशन चंद सैनी, डा. मुकेश प्रजापत, डा. अनिल जैन, डा. रेणु ग्रोवर और डा. रीटा ग्रोवर हैं। शिविर के संयोजक डा. बी. बी. गौतम हैं। शिविर में एकयूप्रेशर चिकित्सक डा. राजा जोशी मरीजों का इलाज करेंगे। शिविर में सहयोग करने वाली फार्मा कंपनियां विजय लाइफ केयर, गणेश फार्मास्यूटिकल, यूनाइटेट फार्मास्यूटिकल, आयु कल्प, श्री धनवंतरी हर्बल, एमपीआईएल, एस जी. पैथो फार्मा हैं। पुरुषार्थी धर्मशाला कमेटी के अध्यक्ष प्रेम गांधी ने बताया कि इस शिविर में मौके पर ही पंजीयन किया जाएगा। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित भी किया जाएगा। शिविर में निर्धन महिलाओं का चयन भी होगा जिन्हें फाउंडेशन की ओर से सहायता दी जाएगी। शिविर में डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट की ओर से बेहतर सेवा करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा। शिविर में खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट ओर आलमचंद भागवंती देवी भाटिया ट्रस्ट का सहयोग रहेगा।

ग्राम सेवा सहकारी समितियों की व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक आयोजित

अलवर (का.सं.)। अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष 2025 के अन्तर्गत आज दी अलवर सैन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. के प्रधान कार्यालय में बैंक के क्षेत्राधिकार में आने वाली ग्राम सेवा सहकारी समितियों की व्यवस्थाओं की बैठक आयोजित हुई जिसमें कॉमन सर्विस सेंटर, माइक्रो एटीएम एवं सहकार से समृद्धि के अंतर्गत आने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई। बैंक निदेशक देवीदास बैरवा ने बताया कि केंद्र सरकार ने समितियों को पेट्रोल-डीजल का खुदरा आउटलेट आवंटित करने और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप के संचालन की अनुमति दे दी है। इस तरह करीब 300 तरह की सेवाओं के लिए समितियों को अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियां ग्रामीण नागरिकों को बैंकिंग बीमा, आधार नामांकन और अद्यतन कृषि सेवायें, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बिजली-पानी का बिल भुगतान, आईटीआर फाइलिंग, ई-स्टाम्प, फास्ट टैग, किसान ई-मार्ट, प्रधानमंत्री फसली बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ई-श्रम पंजीकरण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच व मैडिकल शिविर आज

अलवर (का.सं.)। महावीर इन्टरनेशनल अलवर केन्द्र द्वारा स्व. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की स्मृति में रविवार को नि:शुल्क नेत्र जाँच व मैडिकल शिविर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हरसौरा, बस स्टैण्ड, बानसूर में प्रात: 8.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगाया जायेगा।

5 वर्ष से फरार डकैती का आरोपी गिरफ्तार

अलवर (का.सं.)। कोतवाली थाना पुलिस ने पांच वर्ष से फरार चल रहे धोखाधडी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पहले से जमीन हड़पने व डकैती के मुकदमे दर्ज है, जिसमें आरोपी फरार चल रहा था। जानकारी अनुसार कोतवाली थाने के हेड कांस्टेबल रोहिताश कुमार ने बताया कि पिछले करीब 5 वर्ष से फरार चल रहे आरोपी ने न्यायालय में सरेंडर किया, जिसको गिरफ्तार कर पिसी रिमांड पर लिया गया है। जानकारी के अनुसार 2020 में पूनम पत्नी यदुनंदन निवासी अलवर ने कोतवाली में आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके किसी परिचित का झांसा देकर करीब 50 लाख से अधिक रकम को हडप लिया गया, जिसके बाद जांच की गई और जांच में उक्त आरोपी रिचा उमेश नाम के व्यक्ति को पहले ही गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मनोज व परिवादी पूनम की सगी बहन नीलम मौके से फरार हो गये थे जिसके बाद पुलिस ने काफी जगह दबिश देकर जांच पड़ताल की और आरोपी मनोज व नीलम को पकड़ने में पुलिस नाकाम रही, लेकिन शुक्रवार को मनोज यादव पुत्र भगवान सिंह निवासी भरतपुर के नगला धापा गांव के अहीरों के मोहल्ले को गिरफ्तार किया गया, जिसके खिलाफ बगरू थाने में करीब 3 करोड़ से अधिक कीमत की जमीन हड़पने व कोटा में डकैती सहित कई मुकदमे दर्ज हैं, उसने अचानक से अलवर न्यायालय में आकर खुद को सरेंडर कर दिया, क्योंकि मनोज यादव मुख्य आरोपी है उसको भनक लग गयी थी कि काफी दिनों से पुलिस पीछा कर रही है, जिसके बाद पुलिस को सूचना मिली तो आरोपी मनोज यादव को न्यायालय से हिरासत में लिया गया, जिसके बाद आरोपी को दुबारा से न्यायालय में पेश कर पिसी रिमांड पर भी लिया गया है।

फार्मर रजिस्ट्री शिविर में अब तक बनी 14006 किसानों की फार्मर आईडी

अलवर (का.सं.)। एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे किसान रजिस्ट्री शिविर में आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित हुए जिसमें अब तक 14006 किसानों की आईडी बनाई गई। इस दौरान उपस्थित किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित कराया गया। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि किसान रजिस्ट्री शिविरों में अब तक जिले की तहसील क्षेत्रों में 14006 किसानों की आईडी बनाई गई तथा अलवर जिले में जिला प्रशासन द्वारा नवाचार करते हुए इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी किसानों को दिया जा रहा है जिसके तहत उक्त शिविरों में 4670 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, 319 पीएम सूर्यघर बिजली, 1181 लोगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भौतिक सत्यापन, 3077 मंगला पशु बीमा, 2076 नरेगा फार्म भराए गए, 133 किसान केडिट कार्ड वितरण, 244 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 150 प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना एवं 58 अटल बीमा पेंशन योजना से जोड़ कर आमजन को लाभांवित किया गया।

साईबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट व कार्यस्थल पर महिला उत्पीडन के बारे में किया जागरूक

अलवर (का.सं.)। सपना सस्था विजय मन्दिर अलवर द्वारा संचालित महिला सुरक्षा सलाह केन्द्र मोती डुंगरी अलवर द्वारा जिला समर्थक समूह की मिटिंग का पुलिस अन्वेषण भवन अलवर में आयोजन किया गया। जिसमें चर्चा का विषय साईबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट व कार्यस्थल पर महिला उत्पीडन रहा। कार्यक्रम का संचालन काउंसलर सुश्री फुलवती सैनी, निधि शर्मा द्वारा किया गया। जिसमें डॉ. मुकेश कुमार प्रो. राजकीय विधि महाविधालय अलवर व डॉ. वंदना सैनी सह आचार्य श्री कृष्णा विधि महाविधालय अलवर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। डॉ. मुकेश कुमार ने डिजिटल अरेस्ट, साईबर अपराध व डॉ. वंदना सैनी ने कार्यस्थल पर यौन शोषण के संबध में विस्तार से व्याख्यान दिया।

सार-समाचार

सुसाइड प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग, ज्ञापन सौंपा

राजगढ़ (नि.सं.)। कस्बे में चार दिन पूर्व घटित ऋषभ विजय सुसाइड प्रकरण को लेकर संगठनों ने शनिवार को प्रदर्शन कर पुलिस को ज्ञापन सोपा। शनिवार को चौपड़ बाजार पर सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनो की ओर से परिजनों के साथ न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। परिजनों की ओर से न्याय की मांग पर संगठनो के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिजनों को दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भरोसा जताया चौपड़ बाजार से रैली निकाल कर तहसील परिसर तक महिला पुरुषों ने रोष व्यक्त किया। भाजपा नेता बन्ना राम मीणा एवं अन्य भाजपा नेताओं ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर मृतक के परिजन, ममता गुप्ता, मीना खंडेलवाल, नीरज शर्मा, मुकेश जैमन, प्रीति विजय, जगदीश सैनी, मदन मोहन शर्मा, विवेक दीक्षित, राजेश्वरी शर्मा, प्रकाश दीक्षित, प्रदीप शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष वंदना शर्मा, संजय शर्मा एवं अन्य महिला पुरुष मौजूद रहे। थाना प्रभारी राजेश मीना ने बताया कि मिले दस्तावेज के आधार पर गहनता से जांच की जा रही है। अनेक बिंदुओं के आधार पर जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शहर के विभिन्न मार्गों से निकली ज्योति कलश यात्रा

अलवर (का.सं.)। शनिवार को ज्योति कलश रथ प्रात: 9 बजे गायत्री शक्तिपीठ से रवाना होकर पुलिस लाइन, पुराना कमला नर्सिंग होम, घोड़ा फेर चौराहा, अखैपुरा, वाल्मीकि मंदिर, रामायणी हनुमान मंदिर, लादिया, नई सड़क, होली ऊपर, मथुराधीश मंदिर, महल चौक, गांधी स्कूल, हजूरी गेट, डंडे वाले हनुमान मंदिर, मुंशी बाजार, त्रिपोलिया, मालाखेड़ा बाजार, अशोका टाकीज होते हुए ठाकर वला कुआँ क्षेत्र में सीताराम मंदिर पर पहुँच कर भव्य दीप यज्ञ के साथ सायंकाल 6 बजे आज का भ्रमण सम्पन्न हुआ। जगह श्रद्धालुओं ने कलशपूजन किया, दर्शन लाभ लिया, आरती की। मंदिरों पर पुजारियों द्वारा आरती पूजन किया गया। मथुराधीश मंदिर में (राधाकृष्ण मंदिर जगन्नाथ मन्दिर के पास) रथ के साथ चल रहे गायत्री परिजनों को दोपहर का भोजन प्रसादी भी कराई। सीताराम मंदिर ठाकर वाला कुआँ पर सैकड़ों महिलायें अपने घरों से थाली में दीपक सजाकर लाईं, आरती उतारी। गायत्री परिवार की ट्रस्टी बहन ज्ञान देवी शर्मा, कु. अक्षिता तिवारी एवं वरिष्ठ गायत्री परिजन राधा रमण विजय ने दीप यज्ञ का संचालन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्टी बहन आशा तिवारी ने किया। गायत्री परिजन दिनेश गुप्ता, ज्ञानेंद्र शर्मा, राकेश तिवारी, शुभम, जितेंद्र यादव, प्रमोद शर्मा, राजेन्द्र सेठी सहयोगी बने। गायत्री परिजन कैलाश रथ के सारथी रहे।

पंचायत समिति के वार्ड नं. 2 के उपचुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न

तिजारा (नि.सं.)। पंचायत समिति तिजारा के वार्ड नम्बर दो के उपचुनाव शांतिपूर्ण मतगणना हुए। पंचायत समिति वार्ड नम्बर दो से भाजपा की सुनीता पोसवाल व कांग्रेस प्रत्याशी राजबाला के बीच कड़ा मुकाबला रहा। पंचायत समिति की सामान्य महिला सीट से कांग्रेस की प्रत्याशी राजबाला अपने प्रतिद्वंदी भाजपा की सुनीता पोसवाल को 734 मतों से विजय घोषित की गई। रिटर्निंग अधिकारी एसडीम संजीव कुमार ने बताया पांच राउंड में मतगणना की गई। जिसमें राजबाला को 2569 वोट मिले, जबकि भाजपा की सुनीता पोसवाल को 1835 वोट मिले तथा 26 वोट नोटा को डले। कांग्रेस की राजबाला को 734 वोटो से विजय घोषित किया गया। चुनाव में 54.37 प्रतिशत मतदान हुआ। विजेता प्रत्याशी को प्रमाण पत्र देकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजेता के बाहर आने पर मतगणना के बाहर खड़े समर्थकों ने उन्हें पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान में तहसीलदार कृष्ण कुमार, नायब तहसीलदार विजय सिंह, तस्लीम खान, थानाधिकारी रामनिवास यादव, राजेश यादव, हरिओम सैनी गिर्राज प्रसाद केला एवं पुलिस प्रशान सहयोग रहा।

राज्य सरकार की ओर से चयनीत छात्रा को स्कूटी भेंट

बानसूर (नि.सं.)। बानसूर के मरूधर ग्रुप आफ़ एजुकेशन द्वारा संचालित मरूधर महाविधालय में राज्य सरकार द्वारा संचालित काली बाई भील स्कूटी योजनान्तर्गत 2023-24 में चयनित बालिका अर्चना कुमारी पुत्री वीर सिंह बीएससी तृतीय सेमेस्टर की बालिका को निदेशक रत्तिराम यादव ने स्कूटी प्रदान की। इस दौरान विधार्थियों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सह निदेशक धर्मपाल यादव, प्रधानाचार्य मनोज यादव सहित विधार्थी मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक-सुशील झालानी के द्वारा डी.बी. कार्प लिमिटेड, दिल्ली रोड़, मूंगस्का, अलवर से मुद्रित एवं 19 विकास पथ अलवर से प्रकाशित। सम्पादक : सुनील बिज्जू (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)